छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित कांकेर जिले में मंगलवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 29नक्सलियों को मार गिराया है। इस घटना में तीन जवान भी घायल हुए हैं। कांकेर जिला कांकेर में 26अप्रैल को मतदान होगा।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:28 अंक: 341 दिनांक:17-04-2024 बुधवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

प्राण-प्रतिष्ठा के बाद बुधवार को भव्य-नव्य मंदिर में पहली बार श्रीराम जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इस बीच जन्मोत्सव में आने वाले भक्तों को देने के लिए धनिया की पंजीरी युक्त प्रसाद के दो लाख से अधिक पैकेट तैयार हैं।

वोटिंग से पहले कांकेर में बड़ा एनकाउंटर

छत्तीसगढ़ में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़-29 नक्सली ढेर

घायल जवानों को जंगल से निकालने के लिए अतिरिक्त फोर्स भेजा गया

कांकेर (ईएमएस)। देश में 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान होना है। चुनाव के पहले छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है। कांकेर जिले के माड़ इलाके में पुलिस ने 29 नक्सलियों को ढेर कर दिया है। सभी के शव बरामद हो गए हैं। इनमें नक्सली लीडर शंकर राव भी शामिल है। पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में तीन जवानों के घायल हुए हैं। छोटे बेठिया थाना क्षेत्र के माड़ इलाके में मुठभेड़ जारी है, घायल जवानों को जंगल से निकालने के लिए अतिरिक्त फोर्स भेजा गया है।

सूत्रों के मुताबिक, नक्सली कमांडर शंकर राव और ललिता माड़वी भी मारे गए हैं जो डीवीसी रैंक के नक्सली लीडर थे। दोनों पर 25-25 लाख का इनाम घोषित था। पुलिस ने मौके से 4 ऑटोमेटिक हथियार भी जब्त किए हैं। छत्तीसगढ़ दूसरा सबसे नक्सली प्रभावित राज्य है। गृह मंत्रालय के मुताबिक छत्तीसगढ़ के 14 जिले- बलरामपुर, बस्तर, बीजापुर, दंतेवाड़ा, धमतरी, गरियाबंद, कांकेर, कोंडागांव, महासमुंद, नारायणपुर, राजनंदगांव, सुकमा, कबीरधाम और मुंगेली नक्सल प्रभावित हैं। आंकड़ों के मुताबिक छत्तीसगढ़ में नक्सली हमलों में पिछले काफी दिनों से कमी नहीं आ रही है। देखा जाए तो सूबे में हर साल औसतन साढ़े तीन सौ से ज्यादा नक्सली हमले होते हैं। इनमें हर साल औसतन 45 जवान शहीद हो जाते हैं।

एक साल में 300 से ज्यादा नक्सली हमले

पिछले साल मार्च में लोकसभा में एक सवाल के जवाब में गृह मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ में नक्सली हमलों के आंकड़े पेश किए थे। इसके मुताबिक, 2022 में राज्य के अंदर 305 नक्सली हमले हुए थे। इससे पहले सरकार ने संसद में बताया था कि पिछले साल फरवरी 2023 तक (सिर्फ दो महीने में) छत्तीसगढ़ में नक्सली हमलों में 7 जवान शहीद हो चुके थे। आंकड़ों के मुताबिक, 2013 से 2022 के बीच 10 साल में छत्तीसगढ़ में 3 हजार 447 नक्सली हमले हुए। इन हमलों में 418 जवान शहीद हुए, जबकि सुरक्षाबलों ने 663 नक्सलियों को मार गिराया।

दूसरे चरण में होने हैं चुनाव

बता दें कि कांकेर में 26 अप्रैल को यानी कि दूसरे चरण में ही मतदान होना है। छत्तीसगढ़ में रायपुर और जगदलपुर के बीच स्थित कांकेर लोकसभा क्षेत्र में 8 विधानसभा सीटें शामिल हैं, जिनमें से छह अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। इन विधानसभा सीटों में गुंडरदेही, संजारी बालोद, सिहावा (एसटी), डोंडी लोहारा (एसटी), अंतागढ़ (एसटी), भानुप्रतापपुर (एसटी), कांकेर (एसटी) और केशकाल (एसटी) शामिल हैं। मूल रूप से बस्तर जिले का हिस्सा, कांकेर 1998 में एक अलग जिला बन गया।

नक्सलियों को पकड़वाने पर मिलेगा 5 लाख इनाम

कबीरधाम जिले में नक्सलियों की सूचना देकर उन्हें पकड़वाने वाले को 5 लाख रुपए का इनाम देने की घोषणा की गई है। एसपी अभिषेक पल्लव ने इनाम के साथ ही पुलिस विभाग में सरकारी नौकरी देने का भी ऐलान किया है। सूचना देने के लिए एक हेल्प लाइन नंबर 78988 15399 भी जारी किया गया है। दरअसल जिले में नक्सलवाद एक बड़ी समस्या है। नक्सलियों का बढ़ता नेटवर्क पुलिस के लिए नई मुश्किलें पैदा कर रहा है। कभी नक्सलियों के लिहाज से बेहद शांत माने जाने वाले कबीरधाम जिले को माओवादियों ने अपना नया ठिकाना बना लिया है, क्योंकि बस्तर और बीजापुर में पुलिस का बेहद दबाव है। वहां लगातार नक्सल ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं।

रुपया रिकॉर्ड ऑल टाइम लो पर ,डॉलर के मुकाबले 9 पैसे गिरकर 83.53 पर आया

नई दिल्ली (ईएमएस)। रुपया अपने रिकॉर्ड ऑल टाइम लो पर पहुंच गया है। आज इसमें अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 9 पैसे की गिरावट देखने को मिली और यह 83.53 रुपए प्रति डॉलर के अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले 22 मार्च 2024 को डॉलर के मुकाबले रुपया 83.45 के अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया था।

एक्सपर्ट्स के अनुसार इजराइल-ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण अमेरिकी डॉलर को सपोर्ट मिल रहा है। इसके अलावा कच्चे तेल के दामों में तेजी से भी डॉलर को मजबूती मिल रही है।

इंपोर्ट करना होगा महंगा

रुपए में गिरावट का मतलब है कि भारत के लिए चीजों का इंपोर्ट महंगा होना है। इसके अलावा विदेश में घूमना और पढ़ना भी महंगा हो गया है। मान लीजिए कि जब डॉलर के मुकाबले रुपए की वैल्यू 50 थी तब अमेरिका में भारतीय छात्रों को 50 रुपए में 1 डॉलर मिल जाते थे। अब 1 डॉलर के लिए छात्रों को 83.53 रुपए खर्च करने पड़ेंगे। इससे फीस से लेकर रहना और खाना और अन्य चीजें महंगी हो जाएंगी।

भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ कर 6.8प्रतिशत चीन रह गया पीछे

नई दिल्ली (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने घरेलू मांग बढ़ने और कामकाजी उम्र की बढ़ती आबादी का जिक्र करते हुए वर्ष 2024 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान मंगलवार को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया.

इस तरह भारत दुनिया की सबसे तेज रफ्तार से बढ़ रही अर्थव्यवस्था बना हुआ है. इसी अवधि में चीन की आर्थिक वृद्धि दर 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है. आईएमएफ ने विश्व आर्थिक परिदृश्य के नवीनतम संस्करण में कहा, भारत में वृद्धि दर वर्ष 2024 में 6.8 प्रतिशत और 2025 में 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है. घरेलू मांग में निरंतर मजबूती और कामकाजी उम्र की बढ़ती आबादी से इस तेजी को बल मिलता है.

मुद्राकोष ने यह रिपोर्ट आईएमएफ और विश्व बैंक की सालाना बसंत बैठकों से पहले जारी की है. रिपोर्ट के मुताबिक, उभरते और विकासशील एशिया में वृद्धि दर पिछले साल के अनुमानित 5.6 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2024 में 5.2 प्रतिशत और 2025 में 4.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है.

यह अनुमान जनवरी में जताए गए पिछले अनुमान की तुलना में थोड़ा बेहतर है. आईएमएफ ने अपनी जनवरी रिपोर्ट में 2024 के लिए भारत की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था. इसके साथ ही मुद्राकोष ने चीन में वृद्धि दर 2023 के 5.2 प्रतिशत की तुलना में सुस्त पड़कर इस साल 4.6 प्रतिशत और 2025 में 4.1 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है. इस सुस्ती के लिए महामारी के बाद खपत बढ़ने और राजकोषीय प्रोत्साहन जैसे कारकों का असर कम होने और रियल एस्टेट में सुस्ती को जिम्मेदार बताया है.

रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक वृद्धि वर्ष 2024 और 2025 में भी पुरानी रफ्तार से जारी रहने का अनुमान है. वर्ष 2023 में अनुमानित वैश्विक वृद्धि 3.2 प्रतिशत रही है. आईएमएफ के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे-ओलिवियर गॉरींशेस ने कहा, निराशाजनक अनुमानों के बावजूद वैश्विक अर्थव्यवस्था सशक्त बनी हुई है. स्थिर वृद्धि और मुद्रास्फीति लगभग उतनी ही तेजी से धीमी हो रही है, जितनी तेजी से बढ़ी थी.

गया और पूर्णिया में जनसभा में पीएम मोदी ने इंडिया गठबंधन पर बोला हमला, कहा इंडी वाले भ्रष्टाचारियों को बचाने में लगे

गया/पूर्णिया (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के गया और पूर्णिया में जनसभा की। पीएम ने संविधान, भ्रष्टाचार, राम मंदिर और आतंकवाद पर इंडी गठबंधन को घेरा। उन्होंने पूर्णिया में कहा कि घमंडिया गठबंधन के लोग सनातन को मिटाने में लगे हैं। जिसको किसी ने नहीं पूछा हम उनको पूज रहे हैं। हम भ्रष्टाचार को मिटाने में लगे हैं और वे बचाने में लगे हैं। भ्रष्टाचार के ठिकाने को बचाने के लिए सभी एक हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले देश में जवानों की शहादत होती थी। आपको गुस्सा होती थी, इन्हें घर में घुसकर मारो। आज जो देश हमें आंखें दिखाता था वो आज कटोरा लेकर भटक रहा है। जो लोग संविधान बदलने का कह रहे हैं उन्होंने कई दशकों तक काम किया, लेकिन वो कभी बाबा साहेब का संविधान कश्मीर में लागू नहीं करवा पाए। ये मोदी है, आज जम्मू-कश्मीर में भी संविधान आन-बान और शान से लागू हो गया है। ये कहते थे 370 हटी तो कश्मीर में आग लग जाएगी। आज आर्टिकल-370 का एंड हो चुका है। भारत को बांटने वालों को जलन हो रही है। ये लोग राम मंदिर के लिए भी यही कहते थे। राम मंदिर बना तो देश में आग लग जाएगी। आज राम मंदिर दुनिया में भारत का गौरव है।

जो देश आंखें दिखाता था कटोरा लेकर घुम रहा है

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले देश में जवानों की शहादत होती थी। आपको गुस्सा होती थी, इन्हें घर में घुसकर मारो। आज जो देश हमें आंखें दिखाता था वो आज कटोरा लेकर भटक रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिसको किसी ने नहीं पूछा हम उनको पूजा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार बिहार को पिछड़ा कहकर पीछा छुड़ा लेती थी। हमने सीमांचल और पूर्णिया को विकास को अपना मिशन बनाया है।

यूपीएससी रिजल्ट घोषित, टॉपर बनें आदित्य श्रीवास्तव

नई दिल्ली,(ईएमएस)। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर आज मंगलवार को सिविल सेवा 2023 का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है। इस वर्ष, दो लाख से ज्यादा उम्मीदवारों ने साक्षात्कार दिया था, जिनमें आदित्य श्रीवास्तव को पहला स्थान हासिल हुआ है। प्रथम रहे आदित्य के बाद अनिमेष प्राधा और डोनुरु अनन्या रेड्डी क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे हैं।

घोषित परिणाम के मुताबिक चौथे स्थान पर पीके सिद्धार्थ रामकुमार हैं जबकि पांचवें स्थान पर रुहानी हैं। उम्मीदवार अपना परीक्षा परिणाम यूपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट पर देख व डाउनलोड कर सकते हैं। गौरतलब है कि संघ लोक सेवा आयोग ने विभिन्न सेवाओं में नियुक्ति के लिए 1016 उम्मीदवारों जिनमें 664 पुरुष और 352 महिलाओं की सिफारिश की है। अंतिम रूप से योग्य उम्मीदवारों में शीर्ष पांच में तीन पुरुष और दो महिला उम्मीदवार हैं।

भाई अजब है, मौसम का मिजाज.......शिमला में सर्दी दिल्ली में गर्मी

गर्म कपड़े लेकर आ रहे सैलानी

शिमला (ईएमएस)। पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में अप्रैल का आधा महीना बीत चुका है, लेकिन अब तक गर्मी से राहत है। प्रदेश में मौसम ठंडा है, और अब भी शिमला, मनाली, लाहौल स्पीति सहित अन्य इलाकों में ठंड पड़ रही है। आलम यह है कि बारिश और बर्फबारी के कारण लाहौल घाटी में पारा 0 डिग्री तक लुढ़क गया है। वहीं, बीते 12 घंटे में प्रदेश के कई इलाकों में झमाझम बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, हिमाचल में आने वाले दिनों में बारिश और बर्फबारी का दौर जारी रहेगा।

शिमला मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक बीते 12 घंटे में मनाली, मंडी, चंबा, कांगड़ा और लाहौल घाटी में झमाझम बारिश हुई है। मनाली के कोठी में 63 एमएम, मनाली शहर में 35.0, चंबा के जोत में 30.8, चंबा शहर में 41, डलहौजी में 28.0, लाहौल के केलांग में 22.0, कुल्लू के कसोल में 19.0 और कांगड़ा में 17.2 एमएम बारिश रात को हुई है। इस तरह, मंडी के कई इलाकों में रात को बरसात हुई है। शिमला, कुफरी, नारकंडा और मंडी में हल्की बारिश दर्ज की गई है।

वहीं मैदानी इलाकों में गर्मियों ने दस्तक दे दी है। हरियाणा के कई जिलों में पारा 35 डिग्री से ऊपर है। दिल्ली का भी यही हाल है। इसके बाद हिमाचल घूमने आ रहे सैलानी अपने साथ गर्म कपड़े जरूर लाएं। क्योंकि हिमाचल में मौसम खराब है। दिन में धूप खिलने से राहत जरूर है, लेकिन सुबह शाम ठंड पड़ रही है। शिमला के संजौली में रहने वाले एक स्थानीय निवासी कहते हैं, कि अभी भी यहां ठंड पड़ रही है। अप्रैल का महीना आधा हो गया है, लेकिन मौसम अजब गजब रंग दिखा रहा है। लाहौल स्पीति के केलांग में रहने वाले निवासी बताते हैं कि यहां पर ताजा हिमपात हुआ है और काफी ठंड है।

हिमाचल में आने वाले दिनों में मौसम कूल-कूल रहेगा। इसी तरह 17 अप्रैल को मौसम ड्राई रहेगा, लेकिन 18 अप्रैल को येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस तरह 19 अप्रैल को ऑरेंज अलर्ट रहेगा। 20 अप्रैल को येलो अलर्ट के चलते बारिश के आसार हैं। इस बार देशभर में 106 फीसदी तक बारिश मॉनसून के दौरान होगी।

देश में 110 करोड़ हिंदू इसलिए भारत को बनाएं हिंदू राष्ट्र

गया,(ईएमएस)। बिहार के गया में पीएम मोदी के समर्थकों में काफी जोश उमंग दिखा। हजारों-हजारो की संख्या में समर्थक पहुंचे हैं। कुछ युवाओं ने हाथों में तख्ती बैनर पोस्टर लेकर आए हैं। पूरे गांधी मैदान में भारी संख्या में लोग दिखाई दे रहे थे। प्रधानमंत्री की गया के ऐतिहासिक गांधी मैदान में होने वाली रैली में कुछ समर्थक हिंदू राष्ट्र बनाने मांग लेकर पहुंचे।

गया में आयोजित रैली में मोदी समर्थक अबकी बार 400 पार, और जय श्री राम के नारे के उद्घोष के साथ आवाज बुलंद करते दिखे। गया में स्टेडियम निर्माण और भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग के साथ हाथों में बैनर पोस्टर लिए उत्साहित दिखे समर्थक। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एनडीए प्रत्याशी जीतन राम मांझी के समर्थन में वोट मांगने के लिए गया पहुंचे थे। गया संसदीय क्षेत्र अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। गया लोकसभा सीट पर अनुसूचित जाति के 33 फीसदी वोट हैं, जो दोनों प्रत्याशियों के बीच जाने का अनुमान है। पिछले चुनाव में जेडीयू के विजय कुमार मांझी यहां से जीते थे। इस लोकसभा चुनाव में मुफ्त अनाज, आयुष्मान कार्ड जैसे मुद्दे प्रभावी नजर आ रहे हैं। रैली स्थल पर पहुंचे एक समर्थक ने कहा कि जैसा कि मैं पीएम मोदी से मांग करुंगा कि आप जैसे ही चुनाव जीतें सबसे पहले हिंदू राष्ट्र की घोषणा करें। ताकि हम 110 करोड़ लोग अच्छे से रहे सकेंगे।

कोझिकोड के कोडियाथुर में रोड शो में राहुल बोले मोदी 5-6 बड़े बिजनेसमैन की कठपुतली

कोझिकोड (ईएमएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के चार दिन के केरल दौरे का बुधवार को कोझिकोड के कोडियाथुर में रोड शो किया। इस दौरान राहुल ने कहा- आरएसएस और भाजपा कथित तौर पर संविधान को नष्ट करने की कोशिश कर रही है। पीएम मोदी भारत के 5-6 बड़े बिजनेसमैन की कठपुतली बन गए हैं। मोदी में देश चलाने की समझ नहीं है। उनका काम लोगों को असली मुद्दों से भटकाना है। जब लोग कोविड से मर रहे थे, तब पीएम कह रहे थे थाली बजाओ। इसपर मीडिया ने उन्हें जीनियस कहा। अगर देश के किसी अन्य नागरिक ने थाली बजाओ कहा होता तो उसे लाठी से पीटा जाता या जेल में डाल दिया जाता।

इसके अलावा एक इंटरव्यू में इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर मोदी के जवाब पर राहुल ने कहा- वे कहते हैं कि राजनीति में पारदर्शिता लाने के लिए ऐसा स्कीम लाई गई थी। अगर ऐसा था तो नाम क्यों छिपा रखे थे? जब सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डेटा सामने आना चाहिए, इसे कौन रोक रहा था? क्यों रोक रहा था? ये हिन्दुस्तान की सबसे बड़ी हफ्ता मांगने की योजना है। महिलाओं को सालान 1 लाख

हम देश के सभी गरीब परिवारों की एक लिस्ट बनाने जा रहे हैं। अगर हम जीते तो इन परिवारों में से एक महिला को चुना जाएगा। उनके बैंक अकाउंट में सालाना 1 लाख रुपए दिए जाएंगे। हर महीने 8 हजार 500 रुपए डाले जाएंगे। हम सभी ग्रेजुएट और डिप्लोमा होल्डर्स को इंटर्नशिप देंगे। ये लोग अपनी फील्ड के हिसाब से एक साल की ट्रेनिंग लेंगे। इन्हें भी हर महीने 8 हजार 500 रुपए दिए जाएंगे। इस हिसाब से साल में ग्रेजुएट के पास 1 लाख रुपए होंगे। मुझे समझ नहीं आता कि राज्य सरकार के लिए वायनाड में मेडिकल कॉलेज पहुंचाना इतना मुश्किल क्यों है। मैंने इस मुद्दे पर व्यक्तिगत रूप से सीएम से बात की है। हम उन पर दबाव बनाना जारी रखेंगे।

झेलम नदी में नाव पलटी, 6 मौत

श्रीनगर (ईएमएस)। कश्मीर के श्रीनगर में मंगलवार को झेलम नदी में एक नाव पलट गई। इस नाव में 15 लोग सवार थे, इनमें 5 स्कूली बच्चे भी थे। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है, बच्चों समेत 7 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। ये नाव रोजाना लोगों को लेकर गांदरबल से बटवारा जाती है। पिछले 48 घंटों से हो रही तेज बारिश के चलते झेलम का जल स्तर बढ़ गया। जिसके चलते नाव पलट गई। हादसे के तुरंत बाद लोकल नाविकों ने बचाव अभियान चलाया। बचाए गए 7 लोगों में से 3 का इलाज चल रहा है। तीन अन्य की हालत स्थिर है, जबकि तीन अब भी लापता हैं।

हिमाचल में हिमपात एवं वर्षा के कारण हिमस्खलन से चंद्रा नदी में जलप्रवाह अवरूद्ध

शिमला (ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति में हिमपात एवं वर्षा के कारण मंगलवार सुबह हिमस्खलन होने से चंद्रा नदी में जलप्रवाह अवरूद्ध हो गया था लेकिन उसे अब सही कर दिया गया. फलस्वरूप उसका जलस्तर बढ़ गया है, इसलिए लोगों को नदी से दूर रहने की सलाह दी जाती है. पुलिस ने कहा कि यात्रियों को बर्फीले क्षेत्रों में यात्रा के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है क्योंकि हिमपात वाले इस जिले में हिमस्खलन का जोखिम बहुत अधिक है. परामर्श में कहा गया है ,'' तीव्र ढलानों से दूर रहिए, खतरे से सावधान रहिए, समूह में यात्रा कीजिए, मौसम की अद्यतन जानकारी रखिए तथा बर्फीले इलाकों में चौकन्ने रहिए.

राज्य में खराब मौसम के कारण तीन राष्ट्रीय राजमार्गों समेत 112 सड़कों को बंद कर दिया गया है. उनमें 107 सड़कें आदिवासी लाहौल एवं स्पीति जिले में हैं.

पिछले 24 घंटे में राज्य के ऊंचे पर्वतीय एवं आदिवासी क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर हल्की बर्फबारी हुई जबकि विभिन्न पर्वतीय क्षेत्रों में रुक-रुक कर वर्षा होती रही. मौसम विज्ञान केंद्र, शिमला का कहना है कि लाहौल एवं स्पीति के हंसा और कोकसर में क्रमशः पांच सेंटीमीटर एवं दो सेंटीमीटर हिमपात हुआ. मौसम कार्यालय ने चेतावनी जारी कर कहा है कि शुक्रवार को राज्य में छिटपुट स्थानों पर बिजली कड़कने के साथ ही गरज के साथ बारिश हो सकती है और 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं. बृहस्पतिवार से पश्चिमोत्तर भारत के फिर से पश्चिमी विक्षोभ की चपेट में आने का अनुमान है.

पंजाब, हरियाणा राजस्थान समेत पूर्वोत्तर राज्यों में बारिश की संभावना

नई दिल्ली (ईएमएस)। आईएमडी ने बताया कि पूर्वोत्तर के राज्य असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, नगालैंड और सिक्किम में 16 से 21 अप्रैल को बारिश की संभावना है। उधर आईएमडी ने कहा कि उत्तर पश्चिम भारत के राज्य में मौसम में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है। ऐसे में जो मौजूदा मौसूम है वैसा ही रहेगा। आईएमडी ने बताया कि मध्य प्रदेश, विदर्भ और मराठवाड़ा में भी बारिश हो सकती है। इसके अलावा यहां आंधी तूफान चलने की भी संभावना है। आईएमडी ने कहा कि गंगीय पश्चिम बंगाल में 17 अप्रैल से शुक्रवार 19 अप्रैल के दौरान अलग-अलग स्थानों पर हीट वेव चल सकती है।

मौसम विभाग ने कहा कि जम्मू कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में बारिश होने की संभावना है। इन राज्यों में फिर से ऐसा ही मौसम 18 अप्रैल को शुरू होगा। भारत मौसम विभाग ने कहा कि उत्तर पश्चिम भारत में अगले 24 घंटे में बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। इसके बाद 18 से 21 अप्रैल के दौरान वर्षा का एक नया दौर जारी रह सकता है।

राजस्थान में बीएसपी के विधायकों ने बदला पाला

सादुलपुर (ईएमएस)। राजस्थान में बीएसपी को बड़ा झटका लगा है। प्रदेश में पार्टी के दो विधायक शिवसेना (शिंदेगुट) में शामिल हो गए हैं। मुंबई में महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे की मौजूदगीमें आज सादुलपुर से विधायक मनोज न्यांगली और बाड़ी से जसवंत सिंह गुर्जर ने बीएसपी छोड़कर शिवसेना (शिवसेना) जॉइन कर ली। दोनों विधायकों के शिवसेना (शिंदे) में शामिल होने के बाद राजस्थान विधानसभा में अब बीएसपी विधायकों की संख्या जीरो हो गई है। नवंबर-दिसंबर, 2023 में हुए राजस्थान विधानसभा चुनाव में बीएसपी ने दो सीट जीती थीं। सादुलपुर सीट पर मनोज न्यांगली ने कांग्रेस की कृष्णा पूनिया को 2475 वोट से शिकस्त दी थी।

पुल से नीचे गिरी बस, 5 की मौत

भुवनेश्वर (ईएमएस)। ओडिशा के जाजपुर जिले में सोमवार रात एक बड़ा हादसा हो गया। कोलकाता जा रही एक बस पुल से नीचे गिर गई। हादसे में एक महिला समेत पांच लोगों की मौत हो गई और 40 घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, हादसा रात नौ बजे नेशनल हाईवे-16 पर बाराबती पुल पर हुआ। बस में 50 यात्री सवार थे और बस पुरी से कोलकाता जा रही थी। हादसे में चार पुरुषों और एक महिला की मौत हो गई है। पुलिस ने बताया, 40 लोग घायल हैं और उनमें से 30 को कटक एससीबी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया है। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने हादसे पर दुख व्यक्त किया।

जिंदा है सरबजीत सिंह की हत्या करने वाला आरोपी

इस्लामाबाद (ईएमएस)। भारत के सरबजीत सिंह की कोट लखपत जेल में हत्या करने वाला अमीर सरफराज तांबा अभी जिंदा है और अंतिम सांसें गिन रहा है। पाकिस्तान के गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने आरोप लगाया कि तांबा पर हुए भीषण हमले के पीछे भारत का हाथ है। नकवी ने बिना किसी सबूत को जारी किए दावा किया कि सारे सबूत यह संकेत देते हैं कि लाहौर में हुए गन हमले में भारत शामिल है। इससे पहले खबर आई थी कि तांबा की मौत हो गई है लेकिन अब पाकिस्तानी पुलिस ने खुलासा किया है कि लश्कर से जुड़ा यह आतंकी अभी जिंदा है। हालांकि वह बुरी तरह से घायल है और उसका इलाज चल रहा है। लाहौर के पुलिस अ?धिकारी ने स्थानीय अखबार को बताया कि तांबा अभी जिंदा है। तांबा लाहौर के इस्लामपुरा इलाके में रहता था और उस पर दो मास्क पहने लोगों ने हमला किया था। ये लोग उसके घर में घुस गए थे और फिर कई गोलियां मारी थीं। इसके बाद वे घटना स्थल से फरार हो गए थे। इस हमले मे भारत के शामिल होने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में पाकिस्तानी गृहमंत्री ने दावा किया कि भारत पाकिस्तान के अंदर इस तरह के पहले के 2 से 4 घटनाओं में शामिल रहा है।

इस बार भी सभी सबूत दिखा रहे हैं। जब तक जांच पूरी न हो जाए और ज्यादा कुछ कहना उचित नहीं है लेकिन पैटर्न ठीक उसी तरह है। इससे पहले मौत की सजा पाए भारतीय कैदी सरबजीत सिंह की 2013 में यहां एक जेल के अंदर हत्या के आरोपी अमीर सरफराज तांबा की अज्ञात बंदूकधारियों द्वारा हत्या किए जाने के एक दिन बाद पंजाब पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने घटना को नाटकीय मोड़ देते हुए दावा किया गया कि वह अब भी जीवित है। लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद के करीबी सहयोगी तांबा पर यहां सनंत नगर स्थित उसके आवास पर मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने हमला किया। लाहौर के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने स्थानीय अखबार को बताया कि तांबा अब भी जीवित है, लेकिन गंभीर रूप से घायल है। हालांकि, उनके बयान के बारे में लाहौर पुलिस के प्रवक्ता ने इस मामले को संवेदनशील बताते हुए टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। दिलचस्प बात यह है कि पु?लिस अ?धिकारी ने यह नहीं बताया कि अगर तांबा जीवित है तो उसे चिकित्सा उपचार के लिए कहां स्थानांतरित किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने मॉब लिंचिंग मामलों में की गई कार्रवाई पर राज्यों से 6 हफ्ते में जवाब मांगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मॉब लिंचिंग से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि घटनाओं को धर्म के आधार पर नहीं देखा जाना चाहिए। दरअसल, कोर्ट के पूछने पर याचिकाकर्ता ने बताया था कि याचिका में उदयपुर के कन्हैया लाल हत्याकांड का जिक्र नहीं है। इस पर कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में सिलेक्टिव मत बनिए, क्योंकि यह मामला सभी राज्यों से जुड़ा है। जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कई राज्यों से मॉब लिंचिंग मामलों में उनकी कार्रवाई पर 6 हफ्ते में जवाब भी मांगा है। अगली सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की गर्मियों की छुट्टियों के बाद होगी।

मॉब लिंचिंग को लेकर नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन वुमन ने पिछले साल सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। याचिका में अल्पसंख्यकों के खिलाफ भीड़ की हिंसा की घटनाओं में बढ़ोतरी पर चिंता जताई गई थी। साथ ही मॉब लिंचिंग में जान गंवाने वाले पीडितों के परिवारों के लिए मुआवजे की मांग की गई थी। वकील निजाम पाशा ने कोर्ट में याचिकाकर्ता का पक्ष रखा। सुनवाई के दौरान पाशा ने कहा कि मध्य प्रदेश में मॉब लिंचिंग की घटना हुई थी, लेकिन पीडितों के खिलाफ गोहत्या की एफआईआर दर्ज की गई थी। अगर राज्य सरकार मॉब लिंचिंग की घटना से ऐसे ही इनकार करती रही, तो 2018के तहसीन पूनावाला मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पालन कैसे होगा। पूनावाला मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को भीड़ खासकर गौरक्षकों द्वारा हत्या की घटनाओं की जांच करने के लिए कई निर्देश जारी किए थे। कोर्ट ने आदेश में राज्य सरकार को पीडितों को 1 महीने के अंदर मुआवजा देने का निर्देश दिया था।

हमसे हुई गलती, हम सार्वजनिक माफी मांगने को तैयार -बाबा रामदेव

पतंजलि भ्रामक विज्ञापन मामले में सुप्रीम कोर्ट में बाबा रामदेव और बालकृष्ण ने कहा

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को पतंजलि के विज्ञापन मामले में योग गुरु स्वामी रामदेव के माफीनामे पर सुनवाई हुई। बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण भी सुप्रीम कोर्ट में मौजूद रहे। बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण व्यक्तिगत तौर पर सुप्रीम कोर्ट माफी मांगी। सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया कि पतंजलि की माफी अभी स्वीकार नहीं की गई है। आचार्य बालकृष्ण ने कहा, ये भूल अज्ञानता में हुई है, हमारे पास सबूत हैं। जस्टिस अमानुल्ला ने कहा कि आप एलोपैथी पे उंगुली नहीं उठा पाएंगे, ये सही नहीं है। इस पर स्वामी रामदेव ने कहा कि हमने उत्साह में आकर ये कर दिया है। हम आगे सजग रहेंगे। हम एलोपैथी के बारे में कुछ नहीं बोलेंगे। हमसे हुई गलती, हम सार्वजनिक माफी मांगने को तैयार हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने स्वामी रामदेव से पूछा कि आपने कहा था कि कुछ और भी दाखिल करना चाहते हैं, कुछ अतिरिक्त दाखिल किया गया? इस पर रामदेव के लिए मुकुल रोहतगी ने कहा कि हमने अभी कुछ फाइल नहीं किया है, लेकिन हम सार्वजनिक माफी मांगना चाहते हैं। रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के उल्लंघन के लिए अखबार में सार्वजनिक माफी प्रकाशित करने की पेशकश की।

मैं आगे से जागरूक रहेगा

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने बाबा और आचार्य बालकृष्ण से बातचीत की। जस्टिस कोहली ने स्वामी रामदेव से कहा कि आप मशहूर हैं। योग के क्षेत्र में आपने काफी काम किया है। आप बिजनेस भी करने लगे। तभी सुप्रीम कोर्ट के वीडियो का प्रसारण बाधित हो गया। तीन मिनट बाद सिर्फ ऑडियो आया। जस्टिस कोहली ने कहा कि ये बाधा सिर्फ संयोग है, हमारी ओर से कोई सेंशरशिप नहीं है।कोर्ट ने बाबा रामदेव से सीधा सवाल किया कि आपको माफी क्यों दी जाय? स्वामी रामदेव ने कोर्ट से कहा कि मैं आगे से जागरूक रहूंगा, मैं जानता हूं कि करोड़ों लोग मुझसे जुड़े हुए हैं। कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि आपने हमारे आदेश के बाद ये सब कुछ किया। आपको पता है कि लाइलाज बीमारियों का आप विज्ञापन नहीं कर सकते हैं। कानून सबके लिए समान है। इस पर स्वामी रामदेव ने कहा कि हमने बहुत टेस्ट किए हैं जिस पर जस्टिस कोहली ने उन्हें टोका और कहा कि आपकी तरफ से ये गैर जिम्मेदार रवैया है।

23 अप्रैल को होगी अगली सुनवाई

जस्टिस कोहली ने कहा कि इतने इनोसेंस कोर्ट में नहीं चलते हैं कि आज आप माफी मांग रहे हैं, ऐसा नहीं चलता है। इस पर स्वामी रामदेव ने कहा कि इस तरह की गलती दोबारा नहीं होनी चाहिए। इसके बाद जस्टिस कोहली ने कहा कि आपका पिछला इतिहास खराब है, हम इस पर विचार करेंगे कि आपकी माफी स्वीकार की जाए या नहीं। आपने लगातार उल्लंघन किया हैं। वहीं जस्टिस अमानुल्ला ने कहा कि आप दिल से माफी नहीं मांग रहे हैं। यह ठीक नहीं है। रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के उल्लंघन के लिए अखबार में सार्वजनिक माफी प्रकाशित करने की पेशकश की। सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण दोनों को सुनवाई की अगली तारीख यानि 23 अप्रैल को उपस्थित रहने को कहा।

जन हितैषी

इजरायल ईरान युद्ध की आशंका से शेयर बाजार में निवेशकों के लाखों करोड़ डुबे

इजराइल और ईरान युद्ध की आहट और आशंका के चलते दुनिया भर के शेयर बाजारों में हाहाकार मच गया है। भारतीय शेयर बाजार में एक दिन के अंदर 8.21 लाख करोड़ रुपए निवेशकों के डूब गए हैं। इजराइल और ईरान के बीच जिस तरह से तनातनी बढ़ रही है। अमेरिका और यूरोप के देश इजराइल के समर्थन में एकजुट हैं। वहीं ईरान के समर्थन में रूस और चीन जैसी महाशक्तियों के एकजुट होने से तृतीय विश्व युद्ध की आशंका से सारी दुनिया भयाक्रान्त हैं। भारत के शेयर बाजार में इसका सबसे ज्यादा असर पड़ा है। दुनिया में भारत का शेयर बाजार ही ऐसा बाजार था, जो बेलगाम घोड़े की तरह भाग रहा था। शेयर बाजार को नियंत्रित करने वाले अडानी और अंबानी भी इस घाटे से नहीं बचे। सेंसेक्स और निफ्टी बुरी तरह से टूट कर बंद हुआ। 75000 की छलांग लगाने वाला सेंसेक्स 73400 के स्तर पर बंद हुआ। इस कारण भारतीय निवेशकों के 8.1 लाख करोड रुपए कुछ ही घंटे के अंदर स्वाहा हो गए। इजराइल- हमास युद्ध में ईरान के शामिल हो जाने के कारण, मिडिल ईस्ट के देशों में तनाव दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। यही तनाव दुनिया के अन्य देशों के बीच देखने को मिलने लगा है। संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद जैसी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों को इस तनाव को कम करने के लिए, जिन महाशक्तियों के माध्यम से शांति कराने के प्रयास करने थे, वही शांति के स्थान पर अशांति फैलाने का काम कर रहे हैं। 7 अक्टूबर 2023 के बाद से मिडिल ईस्ट के देशों के साथ तनाव बढ़ता ही जा रहा है। हाल ही में ईरान ने इजराइल पर 300 से ज्यादा ड्रोन मिसाइल से हमला किया। इसके पहले ईरान की सेना के अधिकारियों की दूतावास में हत्या के बाद से यह मामला तूल पकड़ता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद ने एक आपातकालीन बैठक जरूर बुलाई है। इस बैठक को संबोधित करते हुए ईरान के राजदूत अमीर सईद इरावनी ने कहा, ईरान अपनी आत्म रक्षा के अधिकार का प्रयोग करेगा। ईरान ने कहा वह किसी भी हमले और आक्रामकता का मुंह तोड़ जवाब देगा। वहीं इजरायल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट द्वारा जवाबी हमले की धमकी दी गई है। इजरायल मंत्रिमंडल की युद्ध कैबिनेट की बैठक हुई, जिसमें इजरायल द्वारा कहा गया, कि वह ईरान से इजराइल पर किए गए हमले की कीमत वसूलेगा। देर सबेरे इजरायल बदला जरूर लेगा।

पिछले कई माह से रूस और यूक्रेन के बीच भीषण युद्ध चल रहा है। नाटो देशों ने रूस को अपना निशाना बनाया हुआ है। रूस और यूक्रेन के लाखों लोग इसके शिकार हुए हैं। फिलिस्तीन और इजरायल के बीच में भी पिछले कई माह से घातक युद्ध चल रहा है। हजारों निर्दोष नागरिकों की मौत हो चुकी है। इसका असर सारी दुनिया के देशों पर पढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां हाथ पर हाथ रखकर बैठी हुई है। उसका भी मुख्य कारण है, जिन महाशक्तियों को इस युद्ध को रोकने के लिए पहल करनी चाहिए थी, वही तनाव को बढ़ाने का काम कर रही हैं। अंतरराष्ट्रीय जगत में अब ऐसा कोई देश या राजनेता नहीं है, जो तृतीय विश्व युद्ध को रोकने के लिए आगे आए। दुनिया के देश अंतरराष्ट्रीय समुदाय की बात को मानते हुए शांति बनाए रखने के लिए फैसला कर सकें। इजराइल और फिलीस्तीन के युद्ध को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो प्रस्ताव पास किए गए। उनका पालन नहीं हुआ। अमेरिका, चीन, रूस जिस तरह से आग में घी डालने का काम कर रहे हैं, वह सबसे बड़ी चिंता का कारण बन गया है। सारी दुनिया के देशों में जिस तरह से आणविक और एटम बम के साथ अत्याधुनिक हथियारों के बल पर तृतीय विश्व युद्ध के लड़ने की तैयारी की जा रही है। इसकी आशंका मात्र से दुनिया भर के देशों के नागरिकों में अज्ञात भय देखा जा रहा है। द्वितीय विश्व युद्ध को समाप्त हुए करीब 80 वर्ष हो चुके हैं। प्रथम विश्व युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध की तबाही भी सारी दुनिया के देशों को पता है। 80 वर्षों में जो विकास सारी दुनिया के देश कर पाए थे। इस विकास को नष्ट करने में दुनिया के शक्तिशाली देश लग गए हैं। इससे आम नागरिकों की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। 1993 से सारी दुनिया के देश का एक दूसरे के साथ व्यापार संधि को लेकर समझौता किया। यह माना जा रहा था, कि इससे एक नए वैश्विक युग की शुरुआत होगी। सारी दुनिया के देशों को वैश्विक व्यापार संधि के बाद पूंजीवाद और कर्जवाद ने जकड़ लिया है। यही सबसे बड़े विनाश का कारण बन रहा है। पिछले 20 वर्षों में दुनिया के देशों में जो भी सत्ता पर बैठे हुए लोग हैं। वह अपने अहंकार के आगे कुछ भी सोचने समझने लायक नहीं रहे। जिसका खामियाजा अब दुनिया के देशों के आम नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है, यही कहा जा सकता है।

सदैव अनुकरणीय रहेंगे भगवान श्रीराम के आदर्श

(रामनवमी (17 अप्रैल) पर विशेष)

समूचे भारतवर्ष में प्रतिवर्ष चैत्र मास की शुक्ल पक्ष नवमी को रामनवमी का त्यौहार भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है, जो इस वर्ष 17 अप्रैल को मनाया जा रहा है। मान्यता है कि त्रेता युग में इसी दिन अयोध्या के महाराजा दशरथ की पटरानी महारानी कौशल्या ने मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम को जन्म दिया था। रामनवमी के दिन श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में उत्सवों का विशेष आयोजन होता है, जिनमें भाग लेने के लिए देशभर से हजारों भक्तगण अयोध्या पहुंचते हैं। अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में जनवरी महीने में हुई भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के बाद इस बार पहली बार रामनवमी बेहद खास होगी। समूची अयोध्या नगरी इस दिन पूरी तरह राममय नजर आएगी और हर तरफ भजन-कीर्तनों तथा अखण्ड रामायण के पाठ की गूंज सुनाई पड़ेगी। रामनवमी के अवसर पर भगवान राम के दर्शन के लिए इस बार लाखों लोगों के अयोध्या पहुंचने का अनुमान है और इसके लिए राम मंदिर ट्रस्ट द्वारा खास प्रबंध किए गए हैं।

विधि के विधान के अनुसार भगवान श्रीराम को दुष्ट राक्षसों का विनाश करने के लिए ही वनवास मिला था। उन्होंने अपने मानव अवतार में न तो भगवान श्रीकृष्ण की भांति रासलीलाएं खेली और न ही कदम-कदम पर चमत्कारों का प्रदर्शन किया बल्कि उन्होंने सृष्टि के समक्ष अपने क्रियाकलापों के जरिये ऐसा अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसकी वजह से उन्हें 'मर्यादा पुरूषोत्तम' कहा गया। मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम में सभी के प्रति प्रेम की अगाध भावना कूट-कूटकर भरी थी। उनकी प्रजा वात्सल्यता, न्यायप्रियता और सत्यता के कारण ही उनके शासन को आज भी 'आदर्श' शासन की संज्ञा दी जाती है और आज भी अच्छे शासन को 'रामराज्य' कहकर परिभाषित किया जाता है। श्रीराम का चरित्र बेहद उदार प्रवृत्ति का था। उन्होंने उस अहिल्या का भी उद्धार किया, जिसे उसके पति ने देवराज इन्द्र द्वारा छलपूर्वक उसका शीलभंग किए जाने के कारण पतित घोषित कर पत्थर की मूर्त बना दिया था। जिस अहिल्या को निर्दोष मानकर किसी ने नहीं अपनाया, उसे भगवान श्रीराम ने अपनी छत्रछाया प्रदान की। लोगों को गंगा नदी पार कराने वाले एक मामूली से नाविक केवट की अपने प्रति अपार श्रद्धा व भक्ति से प्रभावित होकर भगवान श्रीराम ने उसे अपने छोटे भाई का दर्जा दिया और उसे मोक्ष प्रदान किया। अपनी परम भक्त शबरी नामक भीलनी के झूठे बेर खाकर शबरी का कल्याण किया।

महारानी केकैयी ने महाराजा दशरथ से जब राम को 14 वर्ष का वनवास दिए जाने और अपने लाड़ले पुत्र भरत को राम की जगह राजगद्दी सौंपने का वचन मांगा तो दशरथ गंभीर धर्मसंकट में फंस गए थे। वह बिना किसी कारण राम को 14 वर्ष के लिए वनों में भटकने के लिए भला कैसे कह सकते थे और श्रीराम में तो वैसे भी उनके प्राण बसते थे। दूसरी ओर वचन का पालन करना रघुकुल की मर्यादा थी। ऐसे में जब श्रीराम को माता केकैयी द्वारा यह वचन मांगने और अपने पिता महाराज दशरथ के इस धर्मसंकट में फंसे होने का पता चला तो उन्होंने खुशी-खुशी उनकी यह कठोर आज्ञा भी सहज भाव से शिरोधार्य की और उसी समय 14 वर्ष का वनवास भोगने तथा छोटे भाई भरत को राजगद्दी सौंपने की तैयारी कर ली। श्रीराम द्वारा लाख मना किए जाने पर भी उनकी पत्नी सीता जी और अनुज लक्ष्मण भी उनके साथ वनों में निकल पड़े। वनवास की यात्रा की शुरूआत श्रृंगवेरपुर नामक स्थान से प्रारंभ कर वहां से वे भारद्वाज मुनि के आश्रम में चित्रकूट पहुंचे। उसके बाद विभिन्न स्थानों की यात्रा के दौरान पंचवटी में उन्होंने अपनी कुटिया बनाने का निश्चय किया। यहीं पर रावण की बहन शूर्पणखां की नाक काटे जाने की घटना हुई। उसी घटना के कारण वहां खर-दूषण सहित 14 हजार राक्षस राम-लक्ष्मण के हाथों मारे गए। यहीं से श्रीराम व लक्ष्मण की अनुपस्थिति में लंका का राजा रावण माता सीता का अपहरण कर उन्हें अपने साथ लंका ले गया।

कहा जाता है कि जब सीता का विरह श्रीराम से नहीं सहा गया तो उन्होंने साधारण मनुष्य की भांति विलाप किया लेकिन हिम्मत न हारते हुए सीता जी की खोज में राम-लक्ष्मण जंगलों में भटकने लगे। इसी दौरान उनकी भेंट श्रीराम के अनन्य भक्त हनुमान से हुई, जिन्होंने राम-लक्ष्मण को वानरराज बाली के छोटे भाई सुग्रीव से मिलाया, जो उस समय बाली के भय से यहां-वहां छिपता फिर रहा था। श्रीराम ने बाली का वध करके सुग्रीव तथा बाली के पुत्र अंगद को किष्किंधा का शासन सौंपा और उसके बाद सुग्रीव की वानरसेना के नेतृत्व में लंका पर आक्रमण कर देवताओं पर भी विजय पाने वाले महाप्रतापी, महाबली, महापंडित तथा भगवान शिव के घोर उपासक लंका नरेश राक्षसराज रावण का वध कर सीता को उसके बंधन से मुक्त कराया और लंका पर खुद अपना अधिकार न जमाकर लंका का शासन रावण के छोटे भाई विभीषण को सौंप दिया तथा वनवास की अवधि समाप्त होने पर भैया लक्ष्मण, सीता जी व हनुमान सहित अयोध्या लौट आए। एक ओर जहां रावण अन्याय, अत्याचार व अनाचार का प्रतीक था तो श्रीराम सत्य, न्याय एवं सदाचार के प्रतीक थे। सीता जी के अपहरण के बाद भी श्रीराम ने अपनी मर्यादाओं को कभी तिलांजलि नहीं दी। उन्होंने इसके बाद भी रावण को एक महाज्ञानी के रूप में सदैव सम्मान दिया और यह इससे साबित भी हुआ कि रावण की मृत्यु से कुछ ही क्षण पूर्व श्रीराम ने लक्ष्मण को रावण के पास ज्ञान अर्जन के लिए भेजा था। (लेखक- योगेश कुमार गोयल/ ईएमएस) (लेखक 34 वर्षों से साहित्य एवं पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

राम पर राजनीति नही, राम को अपनाए!

प्रत्येक वर्ष चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को रामनवमी का पर्व मनाया जाता है। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि के दिन अभिजीत मुहूर्त और कर्क लग्न में प्रभु श्री राम का जन्म हुआ था। इस पर्व पर अयोध्या में रामलला के दर्शन करने के लिए लाखों श्रद्धालु की भीड़ लग सकती है। चैत्र मास के इस शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि 16 अप्रैल को दोपहर 1 बजकर 23 मिनट से प्रारंभ हो रही है, जो 17 अप्रैल को दोपहर 3 बजकर 15 मिनट तक रहेगी है।इसलिए उदया तिथि के हिसाब से रामनवमी 17 अप्रैल 2024 को ही मनाई जा रही है।इस दिन भगवान राम की पूजा सुबह 11 बजकर 1 मिनट से दोपहर 1 बजकर 36 मिनट तक होगी।यानि कुल 2 घंटे 35 मिनट तक की पूजा का योग है।वही विजय मुहूर्त- दोपहर 02 बजकर 34 मिनट से 03 बजकर 24 मिनट तक रहेगा व गोधूलि मुहूर्त - शाम 06 बजकर 47 मिनट से 07 बजकर 09 मिनट तक बना रहेगा।रामनवमी के दिन आश्लेषा नक्षत्र के साथ रवि योग, सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है। इस दिन सुबह 5 बजकर 16 मिनट से 6 बजकर 8 मिनट तक सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा। इसके साथ ही रवि योग पूरे दिन रहने वाला हैं।

राम एक ऐसा शब्द है जिसके उच्चारण मात्र से मन मे शांति, सुख, सन्तुष्टि का बोध होता है।ऐसा किसी अन्य शब्द में नही है।क्योंकि राम केवल दशरथनन्दन श्रीराम ही नही है अपितु राम उस परमात्मा का नाम भी है, जिनकी साधना स्वयं रामचंद्र जी भी करते है।यानि राम परमसत्ता है तो एक आदर्श का प्रतिरूप भी है।तभी तो राम हर किसी के रोम रोम में बसा है।वह भी आज से ही नही,बल्कि युगों युगों से।सबुरी राममय हुई तो राम, सबुरी के हो गए और सबुरी के झूठे बेर तक खा लिए। आज सबुरी जैसी आस्था तो कम ही देखने को मिलती है। राम का मंदिर बन गया है, यह उत्साह हर उस व्यक्ति में है जिसके घट में राम है। राम मंदिर मुद्दा कानून की चौखट से होते हुए कानून की ही बदौलत निर्माण के लक्ष्य तक आ गया है।राम मंदिर जितना बड़ा और भव्य बना है, उतना ही राम के भक्तो में हर्ष की अनुभूति हो रही है।बशर्ते इसे राजनीतिक रंग देने से बचाया जा सके।आवश्यक यह है कि हम राम को आत्मसात करे।राम मर्यादा पुरुषोत्तम है तो हम भी राम का आदर्श स्थापित करे।राम के उच्च चरित्र को दर्शाती रामायण हिंदू धर्म की एक प्रमुख आध्यात्मिक धरोहर है परंतु रामायण को बार बार पढ़ने के बावजूद भी उसमें लिखे आध्यात्मिक मूल्यों की धारणा नहीं हो पा रही है। हम राम के नाम रूप पर तो बहस करते रहते हैं लेकिन राम को अपनाने की कभी कौशिश नही करते। दशरथ नन्दन की कथा में, रावण का वध करने के बाद लंका से अयोध्या लौटते समय राम, लक्ष्मण, सीता एवं हनुमान पुष्पक विमान से अयोध्या के पास नंदीग्राम नामक स्थान पर उतरे थे, जहां पर राम की खड़ाऊं रखकर राजा भरत अपना राजपाट चलाते थे। नंदीग्राम में एक दिन रुकने के बाद वे दूसरे दिन अयोध्या पहुंचे थे।जबकि रावण वध यदि दशमी के दिन हुआ था तो उसके दूसरे दिन सीता को अग्नि परीक्षा से गुजरने के बाद अर्थात उन्हें अग्निदेव से वापस मांगने के बाद श्रीराम अयोध्या लौटे थे।यानि वे एकादशी के दिन अयोध्या की ओर चले थे और रास्ते में वह निषादराज गुह केवट के यहां रुके भी थे। श्रीराम का नंदीग्राम में भव्य स्वागत किया गया था। उस दौरान अयोध्या के सभी आठों मंत्री और राजा दशरथ की तीनों रानियां हाथियों पर सवार होकर नंदीग्राम पहुंचे थे। उनके साथ अयोध्या के आम नागरिक भी नंदीग्रम पहुंचे थे। वाल्मीकि रामायण के युद्धकाण्ड सर्ग 127 के अनुसार अयोध्या के नागरिकों, मंत्रियों और रानियों ने देखा कि श्रीराम पुष्पक विमान से धरती पर उतरे है। उन सबने विमान पर विराजमान श्रीराम के दर्शन किए और वे उन्हें लेकर अयोध्या गए।

श्रीराम का जन्म इंस्टीट्यूट ऑफ साइंटिफिक रिसर्च ऑन वेदाज के शोधानुसार श्रीराम का जन्म 5114 ईसा पूर्व हुआ था। जबकि श्रीराम ने रावण का वध 4 दिसंबर 5076 ईसा पूर्व किया था। वे 29वें दिन 2 जनवरी 5075 ईसा पूर्व वापस अयोध्या लौटे थे। अयोध्या लौटने के खुशी में अयोध्यावासियों ने दीपावली मनाई थी। रुकने के दिनों को छोड़कर इस सफर में उन्हें करीब 24 दिन लगे थे। इस दौरान वे 8 से 9 जगहों पर रुके थे। यह निष्कर्ष वाल्मीकि रामायण में लिखे उस दौर के ग्रहों, नक्षत्रों, तारामंडलों की स्थिति के आधार पर नासा के वेद स्पेशल प्लेटिनम गोल्ड सॉफ्टवेयर से निकाला गया है।श्रीराम की खड़ाऊ ले जाते समय भरत ने कहा था कि

चर्तुर्दशे ही संपूर्ण वर्षेदद्व निरघुतम।

नद्रक्ष्यामि यदि त्वां तु प्रवेक्ष्यामि हुताशन॥

अर्थातः हे रघुकुल श्रेष्ठ। जिस दिन चौदह वर्ष पूरे होंगे उस दिन यदि आपको अयोध्या में नहीं देखूंगा तो अग्नि में प्रवेश कर जाऊंगा। भरत के मुख से ऐसे प्रतिज्ञापूर्ण शब्द सुनकर रामजी ने भरत को आश्वस्त करते हुए कहा था- तथेति प्रतिज्ञाय- अर्थात ऐसा ही होगा। इसी प्राकार महर्षि वशिष्ठ ने राजा दशरथ से राम के राज्याभिषेक के संदर्भ में कहा था-चैत्रःश्रीमानय मासःपुण्य पुष्पितकाननः।

यौव राज्याय रामस्य सर्व मेवोयकल्प्यताम्॥

अर्थातः जिसमें वन पुष्पित हो गए। ऐसी शोभा कांति से युक्त यह पवित्र चैत्र मास है। श्रीराम का राज्याभिषेक पुष्य नक्षत्र चैत्र शुक्ल पक्ष में करने का विचार निश्चित किया गया है। षष्ठी तिथि को पुष्य नक्षत्र था। श्रीराम लंका विजय के पश्चात अपने 14 वर्ष पूर्ण करके पंचमी तिथि को भारद्वाज ऋषि के आश्रम में आए थे। वहां एक दिन ठहरे और अगले दिन उन्होंने अयोध्या के लिए प्रस्थान किया, उससे पहले उन्होंने अपने भाई भरत से पंचमी के दिन हनुमानजी के द्वारा कहलवाया-

अविघ्न पुष्यो गेन श्वों राम दृष्टिमर्हसि।

अर्थातः हे भरत! कल पुष्य नक्षत्र में आप राम को यहां देखेंगे। इस प्रकार राम चैत्र के माह में षष्ठी के दिन ही ठीक समय पर अयोध्या में पुनः लौटकर आए।वाल्मीकि रामायण के अनुसार सीताजी का हरण बसंत ऋतु में हुआ था। अपहरण के पश्चात रावण ने उन्हें बारह मास का समय देते हुए कहा कि हे सीते! यदि इस अवधि के भीतर तुमने मुझे स्वीकार नहीं किया तो मेरे याचक तुम्हारे टुकड़े-टुकड़े कर डालेंगे।

यह बाद हनुमान ने जब श्रीराम से कही तो उन्होंने भली प्रकार चिंतन करके सुग्रीव को आदेश दिया कि

उत्तरा फाल्गुनी हयघ श्वस्तु हस्तेन योक्ष्यते।

अभिप्रयास सुग्रिव सर्वानीक समावृताः॥

अर्थात आज उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र है। कल हस्त नक्षत्र से इसका योग होगा। हे सुग्रीव इस समय पर सेना लेकर लंका पर चढ़ाई कर दो। इस प्रकार फाल्गुन मास में श्री लंका पर चढ़ाई का आदेश श्रीराम ने दिया था। यह जानकर रावण ने भी अपने मंत्री से सलाह लेकर कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को युद्धारंभ करके अमावस्या के दिन सेना से युक्त होकर विजय के लिए निकला और चैत्र मास की अमावस्या को रावण मारा गया था। तब रावण की अंत्येष्टि क्रिया तथा विभीषण के राजतिलक के पश्चात रामचंद्र यथाशीघ्र अयोध्या के लिए निकल पड़े। इससे सिद्ध होता है कि श्रीराम चैत्र के माह में ही अयोध्या लौटे थे। महर्षि बाल्मीकी ने त्रेता युग के बाद समाज में आध्यात्मिक क्रांति लाने हेतु राम व सीता का नाम व चरित्र समाज के सामने प्रस्तुत किया। तभी तो वे संसार के प्रेरक बन गए। हम रामायण के सभी पात्रों को उसी तरह से स्वीकार करते हैं जैसे रामायण को पढ़ने पर जान पडता है।परन्तु इस तरह से तो रामायण में दर्शाए गए पूर्णतः अहिंसक पात्र भी हिंसक नज़र आते हैं जैसे राम के द्वारा रावण का वध करना, भगवान की परिभाषा को खंडित करता है,राम यदि भगवान हैं तो वह हिंसक हो ही नहीं सकते और राम यदि सर्वशक्तिमान ईश्वर है तो उनकी सीता को एक दैत्य रावण कैसे उठाकर ले जा सकता है? इसलिए कहीं न कहीं रामायण को किसी और परिपेक्ष में देखने की आवश्यकता है। रामायण का वास्तविक्र अर्थ जानने के लिए रामायण के विभिन्न पात्रों को निम्नलिखित रूप में समझ कर पढ़ें तो आपको उसमें लिखा एक एक आध्यात्मिक बिंदु समझ आ आएगा। राम वास्तव में परमात्मा ही है जो संगम युग में धरा पर अवतरित हो कर अपनी बिछड़ी हुई सीता यानि सतयुगी आत्मा को रावण यानि विकारों के चंगुल से छुड़ाने आते है।सीता, हर वह आत्मा जो वास्तव में पवित्र है परंतु आज रावण के चंगुल में फँसी होने के कारण संताप झेल रही है। रावण,पतित व विकार युक्त सोच व धारणा ही रावण है जिसमें फँसी हर आत्मा आज विकर्मों के बोझ तले दबती जा रही है। पाँच मुख्य विकार पुरुष के व पाँच विकार स्त्री के ही रावण के दस शीश हैं। हनुमान, वास्तव में धरा पर अवतरित हुए परमात्मा को सर्वप्रथम पहचानने वाली आत्मा ही हनुमान हैं परंतु हर वह आत्मा जो ईश्वर को पहचान दूसरी आत्माओं (सीता) को धरा पर आए ईश्वर (राम) का संदेश देने के निमित बनती है, वह भी हनुमान की तरह ही है।

वानर सेना,साधारण दिखने वाली मनुष्य आत्माएँ ईश्वर (राम) को पहचान कर, संस्कार परिवर्तन द्वारा पूरानी दुनियाँ या रावण राज्य (पतित सोच पर आधारित दुनिया) को समाप्त करने में राम का साथ देने वाली संसार की 33 करोड़ आत्माएँ ही वानर सेना है।

लंका, पुरानी पतित दुनियाँ जहाँ हर कार्य देहभान में किया जाता है,वही रावण नगरी लंका है।आज हमें इसी सत्यता को आत्मसात कर विकर्मों को त्याग कर राम की तरह पवित्र बनना है। (लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन /ईएमएस) (लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

मर्यादा लांघती राजनीतिक़ बयानबाजी

देश में लोकसभा चुनाव की तैयारियों के बीच राजनीतिक दलों में बयानों की आंधी सी चल रही हैं। ऐसे में सभी राजनीतिक दल अपने आपको आम जनता का हितैषी सिद्ध करने का प्रचार कर रहे हैं। इन बयानों में कहीं कहीं राजनीति की मर्यादा का भी उल्लंघन भी होता दिख रहा है। चुनाव प्रचार के दौरान सभी दल अपने अपने हिसाब से ढोल पीटकर जनता को अपने पाले में लाने की कवायद कर रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि राजनीतिक दलों द्वारा जो बयान दिए जा रहे हैं, वह देखने में तो ऐसा ही लगता है कि यह सब बातें अप्रमाणिक सी लगती हैं। अभी बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की बेटी मीसा भारती ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर जो बयान दिया है, वह उनकी राजनीतिक मजबूरी हो सकती है, लेकिन यह भी सही है कि इस बार के चुनाव में विपक्ष, सत्ता पक्ष पर किसी प्रकार का ठोस आरोप नहीं लगा पा रहा है। जहाँ तक चुनावी चंदे के भ्रष्टाचार की बात है तो इस खेल में सभी दल शामिल हैं। कहने का तात्पर्य है राजनीति में जो सुना जाता है वह होता नहीं है। परदे पर कुछ और दिखाने का प्रयास करते हैं, वास्तविकता कुछ और होती है। कौन नहीं जानता कि विपक्ष के कई नेता भ्रष्टाचार के आरोप में जमानत पर हैं। ऐसे में बयान देने से पहले नेताओं को अपने गिरेबान में झांक कर भी देख लेना चाहिए।

वर्तमान में एक और बात महत्वपूर्ण यह भी है कि राजनीतिक दल धरातल पर बाहुबल और धनबल के सहारे चुनाव जीतने का प्रयत्न करते हैं। जबकि यह सब इतनी सावधानी से किया जाता है कि दिखाई नहीं देता, लेकिन आम जनता को यह मालूम है कि वास्तविकता क्या है। सारे चुनावों की छिपी हुई हकीकत यही है कि चुनाव में पैसा पानी की तरह प्रवाहित किया जाता है? जो लोग पैसे की भाषा नहीं समझते, उन्हें समझाने के दूसरे तरीके अपनाए जाते हैं, यानी बाहुबल का सहारा लिया जाता है। हालांकि इस सत्य को राजनेता इतनी सफाई से करते हैं कि कोई भी संस्था इसे सिद्ध नहीं कर सकती?

वर्तमान में एक नई प्रकार की राजनीति का उदय हुआ है, उसके अंतर्गत अपने दल की कार्यप्रणाली का या कहा जाए कागुजारियों का बखान कम, दूसरे दलों की छीछालेदर करना ज्यादा ही देखने में आ रहा है। इस प्रकार का खेल कांग्रेस सहित विपक्षी दल की ओर से कुछ ज्यादा ही चल रहा है। कारण साफ है कि कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल भ्रष्टाचार के बारे में ज्यादा बोल नहीं सकती। क्योंकि कांग्रेस की सरकार में मंत्रियों और कांग्रेसी नेताओं ने जिस प्रकार से भ्रष्टाचार के कारनामे किए, उससे देश को करोड़ों का नुकसान हुआ। आज देश पर जो आर्थिक बोझ आया है, उसके पीछे के कारणों में यह भ्रष्टाचार एक है।

आज की राजनीति को देखकर सहज़ ही यह कहा जा सकता है कि राजनीतिक बयान मर्यादा को लांघ रहे हैं। विपक्ष की ओर से आधारहीन तर्क किए जा रहे हैं। कोई लोकतंत्र को बचाने की राजनीतिक बयानबाजी कर रहा है तो कोई संविधान बचाने का प्रहसन कर रहा है। ख़ास बात यह है कि यह सब वे लोग कर रहे हैं जो भ्रष्टाचार समाप्त करने के कहकर भ्रष्टाचार करते रहे हैं। लालू प्रसाद यादव पर भ्रष्टाचार का आरोप सिद्ध हो चुका है, लेकिन उनकी बेटी प्रधानमंत्री पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा रही है।

वर्तमान में भारत की राजनीति में प्रतिद्वंद छिड़ा हुआ है। राजनीति में जिस प्रकार का वाद प्रतिवाद चल रहा है वह या तो मूर्ख बनने की प्रक्रिया का हिस्सा है या फिर मूर्ख बनाने की। अब आज के हालात में कौन मूर्ख बनता है और कौन बनाता है, यह भविष्य के गर्भ में छिपा है। जैसे ही समय की सीमा पूरी हो जाएगी, इसके पीछे का अर्थ सामने आता चला जाएगा। आज हमारे देश की राजनीति में नेताओं के कई रूप देखने को मिल जाते हैं, यानि जैसी स्थिति होती है नेता लोग अपने को वैसा ही प्रचारित करने लग जाते हैं। इसको और व्याख्या करके कहा जाये तो तर्क संगत ही होगा कि हमारे नेता बहुरूपिया बन जाते हैं और भारत देश की भोली भाली जनता उनके इस नकली रूप को देखकर भ्रमित हो जाती है। देश भर में सारे नेता इस होड़ में आगे दिखने का प्रयास कर रहे हैं कि हम ही जनता के असली हितैषी हैं। नेताओं का यह रूप हमारे देश को किस दिशा में ले जाएगा या ले जा रहा है, पता नहीं। पर यह सत्य है कि यह खेल बहुत ही खतरनाक है। देश के भविष्य के साथ एक प्रकार का अनहोना अपराध है?

भारत की राजनीति में आज ऐसे परिवारवादी नेता उदित हो चुके हैं, जिन्हें ठीक से भारत की राजनीति करना नहीं आता, वे केवल सत्ता प्राप्त करने के लिए ही जनता के वोट प्राप्त करने का उपक्रम ही करते हैं। भारत की जनता के समक्ष ऐसे हालात बन गए हैं कि वह सही और गलत की पहचान भी नहीं कर पा रहे हैं।

हमारे राजनेता कौन कौन से खेल खेलते हैं, यह आज सबको दिखाई देने लगा है। आज देश में कई नेता ऐसे हैं जिनका व्यवसाय कुछ नहीं होने पर भी धनवान बन गए हैं, वास्तव में आज की राजनीति सेवा का माध्यम न होकर एक व्यवसाय बन गई है। राजनीति का जिस प्रकार से व्यवसायीकरण हुआ है, उसी के परिणाम स्वरूप हमारा देश रसातल की ओर जा रहा है और उसका खामियाजा देश की जनता को भुगतना पड़ रहा है।

राजनीति में नेताओं द्वारा जिस प्रकार की राजनीति की जाती है, वह केवल भारत के एक वर्ग विशेष को प्रभावित करने के लिए किया जाता है। जो नेता इनके संप्रदाय के बारे में अच्छी बात बोलता है, उस नेता को ये लोग अपना हमदर्द मानने की भूल कर बैठते हैं। बस यही कारण है कि नेता लोग इस समुदाय को वोट बैंक मानकर चाल चलता है, लेकिन आज का यह समुदाय भी असलियत जान चुका है, भावनाएं भड़काने का यह खेल अब समाप्त होना चाहिए। (लेखक- सुरेश हिन्दुस्तानी/ईएमएस)

शब्द पहेली -7979

बाएँ से दाएँ

1. तमाशा करने वाला-4
4. शेविंग, दाढ़ी बनाना-4
7. बेल, लतिका-2
8. मामला-3
9. स्तर, परत-2
10. भागना (अंग्रेजी-2)
12. गिरवी रखी वस्तु-2
14. सजदे में झुका हुआ-5
15. असंभव-5
17. खुदा की इबादत-3
19. फायदा, लाभ-2
21. क्रिकेट खिलाड़ी युवराज की प्रेमिका-2
23. मुस्लिम, यवनी-3
24. मोल, कीमत-2
25. स्वभाव, आदत-4
26. करतब, करिश्मा-4

ऊपर से नीचे

1. शमशीर, कृपाण-4
2. मां, मम्मी-3
3. नीयत, चरित्र-4
4. ज्वरताप-2
5. राय, वोट-2
6. आंदोलन, संग्राम-4
11. क्षारीय, चटपटा-4
13. आशियां, नीड़-4
14. नेत्र, आंखें-3
15. अनभिज्ञ-4
16. बचत, रिआयत-4
18. आवश्यकता-4
20. उन्माद-2
22. वोट-2
24. अस्थमा, श्वास संबंधी रोग-2

शब्द पहेली -7978 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

दिनेश कार्तिक ने आसाधारण बल्लेबाजी की : पीटरसन

बेंगलुरु (ईएमएस)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने आईपीएल में दिनेश कार्तिक की बल्लेबाजी की जमकर प्रशंसा की है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेल रहे कार्तिक ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 83 बनाये थे हालांकि वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। कार्तिक ने 35 गेंदों पर ये 83 रन बनाए। इसमें पांच चौके और सात छक्के थे।

आजकल आईपीएल में कमेंट्री कर रहे पीटरसन ने कार्तिक के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा, कभी किसी कमेंटेटर को इतनी अच्छी बल्लेबाजी करते नहीं देखा। कार्तिक भारतीय टीम से बाहर होने के बाद कमेंटेटर की भूमिका भी निभाते रहे हैं।

आरसीबी और सनराइजर्स के बीच हुए इस मैच में आईपीएल इतिहास के सबसे ज्यादा रन बने। हैदराबाद ने पहले खेलते हुए ट्रेविस हेड के शतक, हेनरिक क्लासेन के अर्धशतकों की मदद से 287 रन बनाए थे। वहीं इसके बाद आरसीबी की टीम 7 विकेट खोकर 262 रन ही बना पाई और 25 रन से हार गयी।

इरफान पठान ने एक बार फिर पंडया पर निशाना साधा, टीम की लगातार हार के लिए जिम्मेदार बताया

मुम्बई (ईएमएस)। ऑलराउंडर इरफान पठान ने एक बार फिर मुंबई इंडियंस के नये कप्तान हार्दिक पंडया पर निशाना साधा है। पठान ने कहा कि हार्दिक के खराब फैसलों से टीम हार रही है। पठान ने हार्दिक की कप्तानी पर भी कई सवाल उठाये हैं। सीएसके के खिलाफ हार्दिक के अंतिम ओवर करने को भी पठान ने गलत बताया है। साथ ही कहा, वे मैच के हालातों के अनुरूप नहीं ढलते हैं और मुकाबले के दौरान सही योजना भी नहीं बना पाते हैं। इसी कारण मुम्बई की ये हालत हुई है। मुंबई इंडियंस इससे पहले पांच बार घ्झ्थ चैम्पियन रह चुकी है पर इस बार टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इसी कारण हार्दिक की खेल प्रेमियों ने भी आलोचना की है।

पठान ने कहा, ''हार्दिक को मुंबई इंडियंस की कप्तानी अच्छी तरह करने की जरूरत है। जब भी मुंबई इंडियंस की टीम हारी, उसमें पंडया की ही भूमिका रही।'' उन्होंने कहा, ''सीएसके के खिलाफ आकाश मधवाल को अंतिम ओवर की जिम्मेदारी देनी चाहिए थी। साथ ही सवाल किया कि जब श्रेयस गोपाल को रचिन रविंद्र का विकेट मिला था तो आपने उसे एक और ओवर क्यों नहीं दिया?''

इसके अलावा पठान ने कहा, ''उसने केवल एक ओवर डाला। पिच पर भी थोड़ा ढीलापन दिखा जबकि मैच में आपको हालातों के अनुसार तेजी से ढलने की जरूरत रहती है। दुर्भाग्य से पंडया अभी तक ऐसा नहीं कर पाये हैं।''

टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम में 7 खिलाड़ियों पर होना है फैसला

आईपीएल के प्रदर्शन पर भी नजरें

मुम्बई (ईएमएस)। आगमी टी20 विश्वकप के लिए भारतीय क्रिकेट टीम में 8 खिलाड़ियों के नाम तय माने जा रहे हैं जबकि 7 खिलाड़ियों पर अभी फैसला होना है। रोहित शर्मा की कप्तानी में उतरने जा रही भारतीय टीम का लक्ष्य यहां किसी प्रकार से आईसीसी विश्वकप जीतना रहेगा। अभी जारी इंडियन प्रीमियर लीग में बेहतर प्रदर्शन वाले खिलाड़ियों को भी इस लीग में जगह मिल सकती है। टीम में कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व कप्तान विराट कोहली के अलावा मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा का नाम तय है। इसके अलावा चयनकर्ताओं ने 15 सदस्यीय टीमों के चयन के लिए अन्य जो नाम रखे हैं उसमें कुलदीप यादव, रवींद्र जडेजा, सूर्यकुमार यादव के अलावा हार्दिक पंडया और ऋषभ पंत भी हैं। कुलदीप शानदार फॉर्म में चल रहे हैं जबकि ऋषभ ने वापसी के बाद शानदार प्रदर्शन किया है।

जिन 7 जगह के लिए खिलाड़ियों के बीच टक्कर होगी उसमें शानदार प्रदर्शन करने वाले ऑलराउंडर शिवम दुबे , रिंकू सिंह के अलावा सलामी जोड़ीदार के तौर यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल का नाम है। वहीं स्पिनर के तौर पर आर अश्विन और युजवेंद्र चहल के बीच मुकाबला है। इसके अलावा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह में किसे बुमराह का जोड़ीदार बनाया जाएगा यह भी देखना होगा। चयनकर्ता दोनों गेंदबाज को मौका देने के बारे में सोच सकते हैं. दूसरे विकेटकीपर के तौर पर ऋषभ पंत के बाद संजू सैमसन और ईशान किशन के नाम पर चर्चा हो सकती है।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्लेटर फिर विवादों में आये, पुलिस ने हिरासत में लिया

ब्रिसबेन (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर माइकल स्लेटर एक बार फिर विवादों में फंसे हैं। स्लेटर पर मारपीट सहित कई आरोप लगे हैं। स्लेटर पर पहले भी इस प्रकार के आरोप लगते रहे हैं। आजकल कमेंटर कर रहे स्लेटर को पुलिस ने पीछा करने और मारपीट के आरोप में हिरासत में लिया है। इस पूर्व क्रिकेटर पर 19 आरोप लगाए गए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार स्लेटर पर गैरकानूनी तरीके से पीछा करने, धमकाने जैसे गंभीर आरोप हैं।

स्थानीय पुलिस ने 'कई दिनों तक' कथित घरेलू हिंसा की घटनाओं के बाद पिछले शुक्रवार को सनशाइन तट पर हुए मामलों के लिए उन्हें गिरफ्तार करने की पुष्टि की है। इससे पहले 2023 में भी स्लेटर को जेल जाना पड़ा था। तब उन्हें अपनी पत्नी से मारपीट करने का दोषी पाया गया था। उनको साल 2021 में भी पहली बार घरेलू हिंसा के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अप्रैल 2022 में भी ऐसा ही एक मामला सामने आया था। साल 2022 के मई में उन्हें गिरफ्तार किया गया और तभी से वह सजा भी काट रहे हैं। स्लेटर पर जमानत का उल्लंघन करने और 'घरेलू हिंसा आदेश' का उल्लंघन करने के 10 आरोप भी लगाए गए हैं।

आरसीबी के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं समाप्त

मुम्बई (ईएमएस)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर (आरसीबी) इस बार भी आईपीएल में कोई कमाल नहीं कर पायी और उसका लीग से बाहर होना लगभग तय है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली हार के साथ ही आरसीबी को इस सत्र में सात मैचों में छठी हार मिली है। इस प्रकार वह अंक तालिका में सबसे नीचे पहुंच गयी है। ऐसे में उसका प्लेऑफ में पहुंचना असंभव है। सनराइजर्स हैदराबाद ने आरसीबी के खिलाफ हुए सातवें मुकाबले में 3 विकेट पर 287 रन का विशाल स्कोर बना डाला जिसके जवाब में आरसीबी 262 रन ही बना पायी।

इस मैच में सनराइजर्स की ओर से ट्रेविस हेड के तेज शतक के बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए विराट कोहली के 42 रन, कप्तान फाफ डु प्लेसिस 62 रन और आखिर में दिनेश कार्तिक की 83 रन की पारी से आरसीबी ने 262 रन बनाए।

अब आरसीबी की उम्मीदें तभी बन सकती हैं जब वह बचे हुए सभी 7 मैच जीते। जो उसके वर्तमान प्रदर्शन को देखते हुए असंभव है। चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ पहला मैच हारने के बाद टीम ने केवल पंजाब किंग्स के खिलाफ जीत दर्ज की थी। वहीं पूर्व क्रिकेटर और कमेंटटर इरफान पठान ने कहा अगर आरसीबी की टीम को आईपीएल के अगले दौर में जाना है तो अगले सारे मुकाबले में जीतने होंगे जो किसी के लिए भी संभव नहीं है।

पेरिस ओलंपिक में अब विजेताओं को मिलेगी भारी भरकम इनामी राशि

पेरिस (ईएमएस)। पेरिस ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाले एथलीटों को इसबार काफी लाभ होगा। इसका कारण है कि विश्व एथलेटिक्स (डब्ल्यूए) ने ट्रैक एवं फील्ड के 48 स्पर्धाओं के स्वर्ण पदक विजेताओं को 50,000 डॉलर करीब 41.60 लाख रुपये की पुरस्कार राशि देने की बात कही है। इस प्रकार डब्ल्यूए ओलंपिक खेलों में पुरस्कार राशि देने वाला पहला अंतरराष्ट्रीय महासंघ भी बन जाएगा।

विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को ने कहा कि ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि की शुरुआत एथलेटिक्स के महत्व को देखते हुए की गयी है। साथ ही कहा कि हमने उन एथलीट की सहायता का फैसला किया है जो अपने प्रदर्शन से खेलों को वैश्विक स्तर पर सफल बनाते हैं। उन्होंने कहा, '' अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के राजस्व आवंटन से कुल 2.4 मिलियन डॉलर लगभग 18.63 अरब रुपये पुरस्कार के लिए रखे गये है, जो हर चार साल में विश्व एथलेटिक्स को मिलता है। इसका उपयोग 48 एथलेटिक्स खेलों में से स्वर्ण पदक जीतने वाले एथलीटों को 50,000 डॉलर की राशि देकर किया जाएगा।''

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद सेंसेक्स 456 , निफ्टी 124 अंक नीचे आया

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को भी गिरावट जारी रही। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट अंतराष्ट्रीय बाजार से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। मध्य पूर्व में ईरान-इजराइल के बीच बढ़ते तनाव के कारण भी विश्व भर के बाजार गिरे हैं जिससे भारतीय बाजार पर भी दबाव पड़ा है। मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने की आशंकाओं से भी आईटी शेयरों में भारी बिकवाली रही। इससे बेंचमार्क सूचकांकों सेंसेक्स और निफ्टी भी नीचे आये। वहीं विदेशी कोष की निकासी को देखते हुए भी निवेशक सतर्कता बरत रहे हैं। व्यापक बाजारों की बात करें तो स्मॉलकैप इंडेक्स 0.5 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ, पर मिडकैप इंडेक्स 0.1 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। इससे पहले सोमवार को भी बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई मानक सूचकांक सेंसेक्स 456.10 अंक करीब 0.62 फीसदी बढ़कर 72,943.68 अंक पर बंद हुआ। वहीं ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 124.60 अंक तकरीबन 0.56 फीसदी नीचे आकर दिन के अंत में 22,147.90 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरानर सेंसेक्स के शेयरों में, इंफोसिस, इंडसइंड बैंक, बजाज फिनसर्व, विप्रो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर नीचे आये जबकि टाइटन, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी बैंक, मारुति, आईटीसी, पावर ग्रिड और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर एशियाई बाजारों में, सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग के अलावा यूरोपीय बाजार में भी गिरावट रही। अमेरिकी बाजार भी सोमवार को गिरावट पर बंद हुए थे।

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने दिवस 3,268 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची थी। इससे पहले गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह वै?श्विक बाजारों से ?मिले कमजोर रुझानों के बीच ही बाजार में शुरुआती कारोबार में गिरावट जारी रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के लगातार बिकवाल रहने और ब्रेंट कच्चे तेल की उच्च कीमतों से भी निवेशकों की भावनाएं प्रभावित हुईं। बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स 585.63 अंक गिरकर 72,814.15 अंक पर रहा। एनएसई निफ्टी 168.65 अंक फिसलकर 22,103.85 अंक पर पहुंच गया। वहीं हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सेंसेक्स 845.12 अंकों की गिरावट के साथ 73,399 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर निफ्टी 246.91 अंक टूटकर 22,272.50 के स्तर पर बंद हुआ।

सोना 73 हजार, चांदी 84 हजार के पार

नई दिल्ली (ईएमएस)। ?विदेशी बाजारों में कीमती धातुओं में तेजी से स्थानीय सराफा बाजारों में मंगलवार को सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 73 हजार के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 84 हजार रुपये के ऊपर कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 552 रुपये की तेजी के साथ 72,829 रुपये के भाव पर खुला। जो अभी 556 रुपये की तेजी के साथ 72,833 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 139 रुपये की तेजी के साथ 8,3990 रुपये के भाव पर खुला। जो अभी 249 रुपये की तेजी के साथ 84,100 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं वै?श्विक बाजारों में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,399.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,383 डॉलर था। इस समय यह 19.60 डॉलर की तेजी के साथ 2,402.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदीके वायदा भाव 28.95 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 28.71 डॉलर था। इस समय यह 0.20 डॉलर की तेजी के साथ 28.92 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

सरकार ने बुजुर्गों से सावधि जमा ब्याज पर टैक्स के रूप में लिए 27,000 करोड़

मुंबई (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने पिछले वित्त वर्ष में सावधि जमा पर कमाए गए ब्याज पर वरिष्ठ नागरिकों से 27,000 करोड़ रुपए से अधिक कर जमा किया है। देश के सबसे बड़े ऋणदाता एसबीआई के शोधकर्ताओं ने यह जानकारी दी। एसबीआई शोधकर्ताओं की रिपोर्ट कहती है कि पिछले पांच वर्षों में जमा की कुल राशि वित्त वर्ष 2023-24 के आ?खिर में 143 प्रतिशत बढ़कर 34 लाख करोड़ रुपए हो गई जबकि पांच साल पहले यह 14 लाख करोड़ रुपए थी। रिपोर्ट के मुताबिक सावधि जमाओं पर अधिक ब्याज दर होने से वरिष्ठ नागरिकों के बीच यह जमा योजना काफी लोकप्रिय हुई है। इस अवधि में सावधि जमा खातों की कुल संख्या 81 प्रतिशत बढ़कर 7.4 करोड़ हो गई है। एसबीआई शोधकर्ताओं का कहना है ?कि इनमें से 7.3 करोड़ खातों में 15 लाख रुपए से अधिक की राशि जमा है।

इन जमाओं पर 7.5 प्रतिशत का ब्याज मिलने के अनुमान को ध्यान में रखें तो वरिष्ठ नागरिकों ने सिर्फ ब्याज के रूप में ही पिछले वित्त वर्ष में 2.7 लाख करोड़ रुपए कमाए हैं। इसमें बैंक जमा से 2.57 लाख करोड़ रुपए और शेष राशि वरिष्ठ नागरिक बचत योजना की है। रिपोर्ट में कहा गया है ?कि वरिष्ठ नागरिकों द्वारा भुगतान किए गए 10 प्रतिशत कर को सभी वर्गों के बीच सुसंगत मानते हुए, भारत सरकार द्वारा कर संग्रहण लगभग 27,106 करोड़ रुपए होगा।

कर्ज की अवधि में बताए शुल्क के अलावा फीस नहीं ले सकते हैं बैंकः आरबीआई

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में एक अधिसूचना में कहा कि कर्ज की पूरी अवधि के दौरान बैंक व नियमन के दायरे में आने वाली इकाइयां, कर्ज लेने वाले की सहमति के बगैर ऋण देते समय दी गई जानकारी से इतर शुल्क नहीं ले सकती हैं। अधिसूचना में कहा गया है कि एक अक्टूबर या इसके बाद जारी सभी नए रिटेल और एमएसएमई सावधि ऋण, जिसमें मौजूदा ग्राहकों को दिए गए नए ऋण भी शामिल हैं, को बगैर किसी अपवाद के के केएफएस दिशानिर्देशों का पालन करना होगा। नियामक ने कहा है ?कि ऋण की पूरी अवधि के दौरान उधार लेने वाले की स्पष्ट सहमति के बगैर आरई ऐसा कोई शुल्क, अधिभार आदि नहीं ले सकते हैं, जिसका उल्लेख केएफएस में नहीं किया गया है। अधिसूचना में आगे कहा गया है ?कि आरई को इन दिशानिर्देशों को जल्द से जल्द लागू करने के लिए आवश्यक व्यवस्था करनी होगी। किसी भी स्थिति में 1 अक्टूबर 2024 को या उसके बाद मंजूर किए गए सभी नए खुदरा और एमएसएमई सावधि ऋण, जिसमें मौजूदा ग्राहकों को दिए गए नए कर्ज भी शामिल हैं, बिना किसी अपवाद के उपरोक्त दिशानिर्देशों का शब्दशः पालन करेंगे। अन्य चीजों के साथ केएफएस में सालाना प्रतिशत दर (एपीआर) शामिल होगी।

सरकार ने क्रूड पर विंडफॉल टैक्स बढ़ाकर 9600 रुपए किया

मुंबई (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने देश में पेट्रोलियम क्रूड पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स में बढ़ोतरी कर दी है। पेट्रो?लियम क्रूड पर ?विंडफॉल टैक्स 6800 रुपए प्रति टन से बढ़ाकर 9600 रुपए प्रति मीट्रिक टन कर दिया गया है। जो 16 अप्रैल से लागू हो गया है और यह विंडफॉल टैक्स देश में उत्पादित कच्चे तेल के लिए है। हालांकि सरकार ने डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल पर कोई टैक्स नहीं लगेगा।

क्या है हीट स्ट्रोक ?

मुंबई, (ईएमएस)। तेज धूप में लगातार काम करने, लंबे समय तक धूप में चलने या किसी कारणवश धूप में रहने से हीटस्ट्रोक हो जाता है। फिर इससे होने वाली विकट समस्या है हीट स्ट्रोक। यदि शरीर अधिक गर्मी पैदा करता है या सीमा से अधिक गर्मी अवशोषित करता है तो हाइपरथर्मिया उच्च तापमान की बीमारी है। लू लगना इसी का एक रूप है. हीट स्ट्रोक को हीट स्ट्रोक या लू के नाम से भी जाना जाता है। तेज़ धूप में बाहर रहने या बहुत देर तक धूप में रहने से शरीर की गर्मी संतुलन प्रणाली काम करना बंद कर देती है, जिससे हम हीट स्ट्रोक से पीड़ित हो जाते हैं।

* क्या हैं हीट स्ट्रोक के लक्षण ?

चक्कर आना, सिरदर्द, सुस्ती और चक्कर महसूस होना, गर्मी के बावजूद पसीना नहीं आना, लाल त्वचा, शुष्क त्वचा, कमजोरी महसूस होना, मतली, उल्टी, सांस लेने में कठिनाई, हृदय गति में वृद्धि हीट स्ट्रोक के बाद के लक्षण हैं और फिर हीटस्ट्रोक होता है।

* हीट स्ट्रोक से बचने के लिए क्या करें?

रोज सुबह योग करें, खासकर शीतली, शीतकारी और वायुसार। इसके साथ ही अन्य प्रकार के व्यायाम भी करें। लेकिन गर्मियों में ज्यादा व्यायाम करने से बचें।

दिन में कम से कम दो लीटर पानी पियें। जब आप बाहर जाएं तो अपने साथ पानी की बोतल रखें। पानी में खीरे के टुकड़े या सब्जा या जीरा डालें, ताकि पानी शरीर को ठंडा कर दे और गर्मी की समस्या न हो। यदि संभव हो तो फ्रिज के बजाय घर पर नल का पानी पियें।

50 से अधिक एसपीएफ़ वाले सनस्क्रीन के साथ बाहर निकलें, जो यूवीए और यूवीबी किरणों से सुरक्षा प्रदान करता है। इसके अलावा, टोपी और धूप का चश्मा का प्रयोग करें। अगर स्कार्फ पहन रहे हैं तो वह कॉटन का बना होना चाहिए ताकि इससे त्वचा पर जलन न हो। इसके अलावा टाइट कपड़े पहनने की बजाय ढीले, सूती कपड़े पहनें। पॉलिएस्टर, विस्कोस, क्रेप, नायलॉन आदि से बने कपड़े पहनने से बचें।

इस मौसम में अल्कोहलयुक्त, वातित या सोडायुक्त पेय पीने से बचें। इसकी जगह नींबू का शरबत, कोकम शरबत, छाछ, छाछ, करी पाउडर आदि पिएं। ये पेय पदार्थ शरीर के तापमान को संतुलित करने में मदद करते हैं। भूख लगने पर बाहर खाना खाते समय जगह को साफ रखें। जितना हो सके ज्यादा तैलीय, ज्यादा खट्टा और ज्यादा मीठा खाना खाने से बचना चाहिए। ऐसे खाद्य पदार्थ गर्मी, पित्त बढ़ाने में सहायक होते हैं। कलिंगद, तरबूज, बेल, ताड़ जैसे फल खाएं। आम खाते समय उसे खाने से आधे घंटे पहले पानी में भिगो दें, फिर उसका सेवन करें। आम में गर्मी कम करने के लिए ऐसा करें. रात को सोते समय दूध पियें। उस दूध में एक छोटा चम्मच गुलकंद मिलाएं और पी लें। इसके अलावा पानी में चाय की पत्ती, अदरक, पुदीना, तुलसी आदि सामग्री डालकर उबाल लें और पानी को ठंडा कर लें। इस पानी और दूध को बराबर मात्रा में लेकर एक साथ पिएं, इससे शरीर को ठंडक मिलेगी।

* लू लगने पर क्या करें?

अगर संभव हो तो दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच धूप में जाने से बचें। लेकिन यदि संभव न हो तो उपरोक्त सभी उपाय करें ताकि गर्मी से किसी प्रकार की परेशानी न हो। हालाँकि, यदि आप बाहर जाते हैं और लू से पीड़ित हैं, तो छाया में या वातानुकूलित कमरे में बैठें, जितना संभव हो उतने कपड़े हटा दें और अपने शरीर को गीले कपड़े से पोंछ लें। ऐसे में हमें जल्द से जल्द शरीर से गर्मी को दूर कर रक्त संचार को सुचारु रखने की जरूरत है।

मैक्रों ने सूडान को दो अरब यूरो से अधिक की सहायता देने का वादा किया

पेरिस (ईएमएस)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने घोषणा की कि वैश्विक दानदाताओं ने युद्धग्रस्त सूडान को दो अरब यूरो से अधिक की सहायता देने का वादा किया है। सूडान में एक साल से जारी युद्ध के कारण देश के लोग अकाल के कगार पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इस वित्तीय मदद की कोई विस्तृत समयसीमा या ब्यौरा नहीं दिया। सूडान के नागरिक समाज के सदस्यों ने पेरिस में हुई बैठक में भाग लिया, लेकिन न सूडानी सेना और न ही उसके प्रतिद्वंद्वी अर्धसैनिक बल का इस बैठक में कोई प्रतिनिधित्व रहा।

सूडान में पिछले साल अप्रैल से उस समय संघर्ष शुरू हुए, जब सेना और अर्धसैनिक 'रैपिड सपोर्ट फोर्सेज' के बीच बढ़ते तनाव ने राजधानी खार्तूम और देश भर में अन्य जगहों पर खुली लड़ाई का रूप ले लिया। इस युद्ध में 14,000 से अधिक लोग मारे गए हैं और कम से कम 33,000 घायल हुए हैं। राष्ट्रपति मैक्रों ने इसे दुनिया के सबसे खराब मानवीय संकटों में से एक'' करार देकर कहा कि इसने ''अकाल का वास्तविक खतरा'' पैदा कर दिया है।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से उदारतापूर्वक दान करने और ''रक्तपात के दुःस्वप्न'' में फंसे सूडानी लोगों की मदद के लिए संयुक्त राष्ट्र के जीवन-रक्षक प्रयासों में सहयोग करने का आग्रह किया।

आरबीआई ने नेशनल अर्बन और सर्वोदय सहकारी बैंक पर लगाया प्रतिबंध

मुंबई (ईएमएस)। आरबीआई ने नेशनल अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश) पर कई प्रतिबंध लगाए, जिसमें लोनदाता की बिगड़ती वित्तीय स्थिति के ध्यान में रखते हुए ग्राहक के लिए 10,000 रुपये की निकासी की सीमा भी शामिल है। इसके साथ ही बैंक की बिगड़ती वित्तीय स्थिति के मद्देनजर आरबीआई ने मुंबई स्थित सर्वोदय सहकारी बैंक पर कई प्रतिबंध लगाए, जिसमें ग्राहकों के लिए 15,000 रुपये की निकासी की सीमा भी शामिल है। जमाकर्ता केवल जमा बीमा और क्रेडिट गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) से अपनी जमा राशि की 5 लाख रुपये तक की जमा बीमा दावा राशि पाने के हकदार होंगे। ये प्रतिबंध बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 35 ए के तहत निर्देशों के रूप में प्रतिबंध लागू हो गए हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा कि विशेष रूप से, सभी बचत बैंक या चालू खातों या जमाकर्ता के किसी भी अन्य खाते में कुल शेष राशि में से 10,000 (सर्वोदय बैंक मुम्बई से 15000 रुपये) रुपये से अधिक की राशि को आरबीआई के उपरोक्त निर्देशों में बताई गई शर्तों के अधीन निकालने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। आरबीआई ने यह भी कहा कि दिशा-निर्देश जारी करने को आरबीआई द्वारा बैंकिंग लाइसेंस रद्द करने के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए।

ब्याज के बारे में बैंक सरल शब्दों में ग्राहकों को दें मुख्य तथ्यों का विवरण

मुंबई,(ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक ने देश के सभी बैंकों और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों को निर्देश दिया कि वे लोन लेने वाले ग्राहकों को उन ऋणों और ब्याज के बारे में सरल शब्दों में मुख्य बातों का विवरण पेश करें जिनका भुगतान करने की उनसे अपेक्षा की जाती है ताकि उन्हें निर्णय लेने में मदद मिल सके। ग्राहकों को बैंकिंग के तकनीकी शब्दों के जाल से बचाने के लिए केंद्रीय बैंक ने यह पहल की है।

आरबीआई ने निर्देश में कहा गया है कि बैंकों और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों जैसी सभी विनियमित संस्थाओं को आरबीआई द्वारा दिए गए मानकीकृत प्रारूप के अनुसार, ऋण अनुबंध निष्पादित करने से पहले सभी संभावित उधारकर्ताओं को केएफएस प्रदान करना होगा। केएफएस ऐसे ग्राहकों द्वारा समझी जाने वाली भाषा में लिखा जाएगा। इसके कंटेंट को उधारकर्ता को समझाया जाएगा और एक पावती दी जाएगी जिसमें लिखा होगा कि उसने इसे समझ लिया है।

आरबीआई ने केएफएस पर सभी निर्देशों और वार्षिक प्रतिशत दर (एपीआर) के प्रकटीकरण में सामंजस्य स्थापित करने का निर्णय लिया है।

यह पारदर्शिता बढ़ाने और विभिन्न विनियमित संस्थाओं द्वारा पेश किए जा रहे वित्तीय उत्पादों पर सूचना विषमता को कम करने के लिए किया जा रहा है, जिससे उधारकर्ताओं को सूचित वित्तीय निर्णय लेने में सशक्त बनाया जा सके। सामंजस्यपूर्ण निर्देश सभी विनियमित संस्थाओं, जैसे बैंकों और आवास वित्त कंपनियों द्वारा विस्तारित सभी खुदरा और एमएसएमई सावधि ऋण उत्पादों पर लागू होंगे।

3 महीनों से जहाज पर फंसे 12 भारतीय

तुर्किये (ईएमएस)। भारत के 12 नाविक एजेंट्स के झांसे में आकर तुर्किये के एक जहाज पर फंस गए हैं। तुर्किये के इस्तांबुल के अंबरली बंदरगाह पर एमवी फातमा ईलूल नाम का जहाज फंसा है। इसमें भारत के 12 नाविक पिछले साढ़े तीन महीनों से बिना पैसों के गुजारा करने को मजबूर हैं। इन नाविकों को एजेंट्स ने ठगा है। जहाज के कैप्टन क्लीटस जेसुडासन ने गुहार लगाई है कि या तो हमें आजाद करा लो या हमें मार डालो। हम असहाय महसूस करते हैं, हमारे परिवार के पास गुजर-बसर के पैसे नहीं हैं। हमें जहाज नहीं छोड़ने के लिए कहा गया है। शिप के क्रू ने भारत सरकार से मदद की गुहार लगाई है।

आईपीएल 2024 : गुजरात टाइटन्स और दिल्ली कैपिटल्स में मुकाबला आज

अहमदाबाद (ईएमएस)। आईपीएल में बुधवार को गुजरात टाइटंस अपने घरेलू मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में दोनो ही टीम जीत के इरादे से उतरेंगी। गुजरात को अपने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स से जीत मिली थी जबकि दिल्ली ने लखनऊ सुपरजायंट्स को हराया था। ऐसे में दोनो ही टीमों की ताकत करीब-करीब बराबर नजर आती है। ऐसे में इस मैच को जीतकर दोनो ही प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाओं को बेहतर करना चाहेंगी। पिछले दो चरण की तरह गुजरात अभी तक एक इकाई के तौर पर बेहतर प्रदर्शन नहीं कर सकी है, ऐसे में उसे इस मैच में जीत के लिए सभी को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टीम अपने पहले छह मैच में केवल दो में ही जीत सकी है और अभी आठ मैच बाकी हैं, ऐसे में उसके पास बेहतर प्रदर्शन का अवसर है। टीम के लिए बल्लेबाजों के साथ ही गेंदबाजों को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अनुभवी तेज गेंदबाज उमेश यादव ने अभी तक सात विकेट लिए हैं परा प्रति ओवर 10 से ज्यादा रन दिये हैं। उनके जोड़ीदार स्पेंसर जॉनसन और अनुभवी मोहित शर्मा को भी अपने इकोनोमी रेट में सुधार करना होगा। स्टार स्पिनर राशिद खान ने अच्छी गेंदबाजी की है पर वह विकेट नहीं ले पाये हैं। पिछले मैच में उनकी आक्रामक बल्लेबाजी से गुजरात टाइटन्स रोमांचक जीत हासिल करने में सफल रही और टीम को उनसे इस बार भी उसी प्रकार के प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

दूसरी ओर ऋषभ पंत की की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स ने भी अब तक दो मैच जीते हैं। टीम फॉर्म और फिटनेस मामलों के कारण अभी तक अपनी सर्वश्रेष्ठ अंतिम अंतिम ग्यारह नहीं उतार पायी है। पांच मुकाबलों में चार हार के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स पर मिली जीत से टीम का मनोबल बढ़ा है पर अगर उन्हें प्लेऑफ में जगह बनाना है तो अपनी कमियों में सुधार करके मुकाबले जीतने होंगे। फिट होकर वापसी करने वाले स्पिनर कुलदीप यादव से टीम की गेंदबाजी बेहतर हुई है। कुलदीप ने ने लखनऊ सुपर जायंट्स के तीन विकेट लिए थे।

गुजरात टाइटन्स के लिए कुलदीप का सामना करना, विशेषकर उनकी गुगली को खेलना कठिन हो सकता है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के युवा जैक फ्रेजर मैकगुर्क के रूप में दिल्ली कैपिटल्स को तीसरे नंबर पर अच्छा खिलाड़ी मिल गया है और टीम उम्मीद कर रही होगी कि वह अपने पहले आईपीएल मैच की तरह आगे भी ऐसे ही खेलता रहे। तेज गेंदबाज एनरिच नॉर्किया और मुकेश कुमार अब तक प्रभावी नहीं रहे हैं जिससे दिल्ली को नुकसान हुआ है।

टीम के लिए सबसे सकारात्मक बात कप्तान ऋषभ की बल्लेबाजी फॉर्म रही है जो प्रत्येक मैच के साथ बेहतर से बेहतर होते जा रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स के पास भारतीय बल्लेबाजी प्रतिभाओं की कमी है सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर और पृथ्वी शॉ भी अब तक विफल रहे हैं। ऐसे में इस मैच में रोमांचक मुकाबला होने की संभावनाएं हैं।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं

गुजरात टाइटंसः शुभमन गिल (कप्तान), डेविड मिलर, मैथ्यू वेड, रिद्धिमान साहा, रॉबिन मिंज, केन विलियमसन, अभिनव मंधार, बी साई सुदर्शन, दर्शन नालकंडे, विजय शंकर, अजमतुल्लाह उमरजई, शाहरुख खान, जयंत यादव, राहुल तेवतिया, कार्तिक त्यागी, शशांत मिश्रा, स्पेंसर जॉनसन, नूर अहमद, साई किशोर, उमेश यादव, राशिद खान, जोशुआ लिटिल, मोहित शर्मा और मानव सुथार।

दिल्ली कैपिटल्स : ऋषभ पंत (कप्तान), डेविड वॉर्नर, पृथ्वी शॉ, स्वस्तिक चिकारा, यश ढुल, एनरिच नॉर्किया, ईशांत शर्मा, झाय रिचर्डसन, खलील अहमद, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, प्रवीण दुबे, रसिक डार, विकी ओस्तवाल, अक्षर पटेल, जैक फ्रेजर गुर्क, ललित यादव, मिचेल मार्श, सुमित कुमार, अभिषेक पोरेल, कुमार कुशाग्र, रिकी भुई, शाइ होप, ट्रिस्टन स्टब्स।

अमेरिकी अधिकारी का खुलासा- भारत से विवाद के बीच न्यूक्लियर वेपन्स को मॉडर्नाइज किया

न्यूयार्क (ईएमएस)। आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान ने अपना परमाणु कार्यक्रम जारी रखा है। इसका खुलासा अमेरिकी खुफिया अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल जेफरी क्रूस ने अमेरिकी कांग्रेस को ये जानकारी दी है। क्रूस के मुताबिक, पिछले साल भारत के साथ बढ़ते विवाद के बीच पाकिस्तान ने अपने न्यूक्लियर वेपन्स को मॉडर्नाइज किया। उन्होंने ये भी बताया कि पाकिस्तान ने अपने न्यूक्लियर मैटिरियल और उसके कमांड और कंट्रोल की सिक्योरिटी को भी बढ़ाया है। अक्टूबर 2023 में, पाकिस्तान ने मध्यम दूरी की अबाबील बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया था, जिसकी रेंज 2200 किलोमीटर थी।

अभी कुछ दिन पहले ही एक सीनियर परमाणु वैज्ञानिक और लेफ्टिनेंट जनरल किदवई ने भारत को धमकी दी थी। उन्होंने इस्लामाबाद के इंस्टीटयूट ऑफ स्ट्रैटजिक स्टडीज में अपने संबोधन के दौरान कहा था कि पाकिस्तान का परमाणू कार्यक्रम भारत पर केन्द्रित है। पाकिस्तान के न्यूक्लियर हथियार मॉडर्नाइज करने की जानकारी उस वक्त आई है, जब पाकिस्तान की नई बनी सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से एक और बेल आउट पैकेज की मांग की है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब अभी वॉशिंगटन में हैं। वो यहां अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से नए लोन पैकेज पर बात कर रहे हैं। इससे पहले अमेरिका के न्यूक्लियर वैज्ञानिकों ने एक रिपोर्ट जारी कर बताया था कि पाकिस्तान के पास फिलहाल 170 परमाणु हथियार हैं। जो 2025 तक 200 के पार जा सकते हैं। रिपोर्ट को 2023 पाकिस्तान न्यूक्लियर हैंडबुक नाम दिया गया है।

स्वीडन के थिंक टैंक सीप्री ने मुताबिक दुनिया में 12,512 परमाणु हथियार हैं। इनमें से 9,576 ऐसे हैं, जो हमले के लिए तैयार है। पूरी दुनिया में चीन ने अपने परमाणु हथियारों का जखीरा तेजी से बढ़ाया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया के 90 प्रतिशत परमाणु हथियार रूस और अमेरिका के पास हैं। वहीं चीन और पाकिस्तान ने भारत के मुकाबले तेजी से अपने परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाई है। पूरी दुनिया में परमाणु हथियारों की रेस शुरू हो चुकी है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार इस समय 8 बिलियन डॉलर है, जो करीब डेढ़ महीने तक के सामानों के आयात जितना है। देश के पास कम से कम 3 महीने के सामान के आयात जितना पैसा होना चाहिए। 2024 में पाकिस्तान की जीडीपी महज 2.1 प्रतिशत की दर से बढने की संभावना है। फिलहाल एक डॉलर की कीमत 276 पाकिस्तानी रुपए के बराबर है। इसी साल मार्च में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की एक टीम इस्लामाबाद पहुंची है, जहां 1.1 अरब डॉलर बेलआउट पैकेज की शर्तों की समीक्षा की गई थी। इन शर्तों को पूरा करने के लिए पाकिस्तान की सरकार ने पिछले कुछ महीने में बिजली और गैस की कीमतों में इजाफा किया था।

ईरान की इजराइल को धमकी, ऐसा हथियार इस्तेमाल करेंगे जो कभी नहीं हुआ

तेहरान,(ईएमएस)। ईरानी वाणिज्य दूतावास पर हमले के जवाब में ईरान ने इजरायल पर ताबड़तोड़ मिसाइलें दागकर एक नई जंग को दावत दे दिया है। ईरानी हमले के बाद इजरायल ने भी कसम खाई है कि वह इस हमले का बदला जरुर लेगा। इजरायल ईरान पर कब हमला करेगा यह तय नहीं है। इस बीच ईरान ने एक बार फिर इजरायल को धमकाया है और कहा है कि अगर बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार जवाबी कार्रवाई करती है तो ईरान ऐसा हथियार तैनात करेगा, जिसका इस्तेमाल पहले कभी नहीं हुआ। इससे तबाही हो सकती है।

इजरायल के सैन्य प्रमुख ने कहा है हम ईरान के हमले का जवाब देंगे हमें इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के फैसले का इंतजार है। इजराइली धमकी के बाद ईरान ने भी कहा कि वह इजरायल के किसी भी हमले का सेकेंड में जवाब देगा और जरूरत पड़ने पर ऐसा हथियार इस्तेमाल करेगा जिसका पहले कभी इस्तेमाल नहीं किया गया है। इजरायली सैन्य प्रमुख हरजी हलेवी ने जोर देकर कहा कि इजरायल अपने अगले कदमों पर विचार कर रहा है और कहा कि ईरानी हमले का जवाब दिया जाएगा, जबकि ईरान के उप विदेश मंत्री अली बघेरी कान ने कहा कि ईरान की ओर से किसी भी गतिविधि का सेकंड से भी जवाब देंगे।

बता दें कि ईरान ने 13 अप्रैल को इजराइल पर हमले के दौरान सैंकड़ों ड्रोन, बैलिस्टिक मिसाइल और क्रूज मिसाइल दागीं थी। इजराइली सेना ने कहा कि उसने रक्षा प्रणाली व लड़ाकू विमानों और अमेरिका की मदद से 99 फीसदी ड्रोन और मिसाइलों को नाकाम कर दिया गया है। इजराइल ने दो सप्ताह पहले सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरान के वाणिज्य दूतावास की इमारत पर कथित तौर पर हमला किया था, जिसके जवाब में ईरान ने इजराइल पर हमला किया। दोनों देशों के बीच दशकों से जारी दुश्मनी के बीच ईरान ने पहली बार इजराइल पर सीधे सैन्य हमला किया।

ईरानी मिसाइल के सामने कमजोर पड़ा इजरायल का आयरन डोम

तेलअवीव (ईएमएस)। ईरान ने 13 अप्रैल की रात इजरायल पर हमला करने से पहले अपने प्रमुख शहरों की इमारतों पर हाइपरसोनिक हथियार की होर्डिंग्स लगाई थीं। जिसमें लिखा था 400 सेकेंड में तेल अवीव। यानी मिसाइल अगर ईरान से लांच की जाए, तब तेल अवीव तक सिर्फ 400 सेकेंड में पहुंच जाएगी। यानी करीब साढ़े 6 मिनट में। इस मिसाइल का नाम है फतह है। यह मीडियम रेंज की बैलिस्टिक मिसाइल है। 1400 किलोमीटर रेंज है। इसकी गति आवाज की स्पीड से 15 गुना ज्यादा है। यानी 17.9 हजार किलोमीटर प्रतिघंटा। इस गति की मिसाइल को इजरायल ट्रैक तब कर सकता है लेकिन उसका एयर डिफेंस सिस्टम इस मिसाइल सिस्टम रोक पाएगा या नहीं इस पर दुविधा थी। लेकिन इसकी पुष्टि 13 अप्रैल को हुए ईरानी हमले में हो गई।

पहले पूरी दुनिया को लगा था कि इजरायल का आयरन डोम और अन्य एयर डिफेंस सिस्टम सात ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल को नहीं रोक पाए। असल में वे फतह हाइपरसोनिक मिसाइलें थीं। जिसे इजरायल का कोई भी एयर डिफेंस सिस्टम नहीं रोक पाया। यही सात मिसाइलें इजरायल के नेवातिम एयरबेस पर गिरीं।

मॉस्को के मिलिट्री जानकार व्लादिस्लाव शुरिगिन ने बताया कि ईरान ने रात में किया गया हमला कई लहर में किया है। ईरान की मिसाइलों की रेंज और स्पीड बहुत ज्यादा नहीं है। इसके लिए पहले उन्होंने शाहेद ड्रोन और रॉकेट्स से हमला किया। इसके बाद सबसोनिक क्रूज मिसाइलों से हमला किया। फिर फतह हाइपरसोनिक मिसाइल और बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं।

ड्रोन और रॉकेट्स ने इजरायल पर लगभग एक साथ हमला किया। ये पहला शॉकवेव था। ठीक तभी इजरायली डिफेंस फोर्सेस, अमेरिकी नौसेना के विमानवाहक युद्धपोत और इजरायली आयरन डोम ने इस हमले को रोकने के लिए जरूरी प्रयास किए।

ड्रैगन को चुनौती, अमेरिका ने फिलीपींस में तैनात की अपनी मिसाइल

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी सेना ने फिलीपींस में एक अभ्यास में भाग लेने के लिए पहली बार अपने टायफॉन मिसाइल प्रणाली को विदेश भेजा है। जमीन आधारित टाइफॉन टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों और एसएम-6 बहुउद्देश्यीय मिसाइलों को फायर कर सकता है। टाइफॉन का फिलीपींस में पहुंचना अमेरिका की ओर से चीन के लिए भी एक संदेश है। अमेरिकी सेना ने फिलीपींस में टाइफॉन प्रणाली के करीब एक हिस्से के आने की घोषणा की है, इस मिड-रेंज कैपेबिलिटी (एमआरसी) के रूप में भी जाना जाता है, जहां इसने अभ्यास सालाकनिब-24 में भाग लिया। चीन की ओर से कई बार ये संदेश दिया गया है कि अमेरिका उसके पड़ोस में ज्यादा सक्रिय ना हो। चीन की चेतावनियों को दरकिनार कर अमेरिका ने फिलीपींस में अपनी उपस्थिति बढ़ दी है।

अमेरिकी सेना ने जो तस्वीरें जारी की हैं, उनमें हेवी एक्सपेंडेड मोबिलिटी टैक्टिकल ट्रक (एचईएमटीटी) के ट्रैक्टर संस्करण द्वारा खींचे गए एकल ट्रेलर-आधारित कंटेनरीकृत लांचर को अमेरिकी वायु सेना सी-17ए ग्लोबमास्टर-3 परिवहन विमान पर दिखाया गया है। यह पहली बार है जब टाइफॉन प्रणाली के तत्वों को एयरलिफ्ट किया और 8,000 मील से अधिक लंबी यात्रा करने में उस विमान को 15 घंटे से अधिक का समय लगा।

ईरान के हमले के बाद घर में ही घिरे नेतन्याहू, विपक्षी जल्द चुनाव की मांग कर रहे

तेल अवीव (ईएमएस)। ईरान के इजराइल पर हमले के बाद पीएम बेंजामिन नेतन्याहू विपक्ष के निशाने पर हैं। इजराइली पीएम नेतन्याहू की नीतियों और हाल के समय फैसलों के लिए विपक्षी नेता और पूर्व पीएम यायर लैपिड ने उन्हें खरी-खरी सुनाई है। लैपिड ने कहा कि जिस तरह से देश पर ईरान ने हमला किया, वहां अभूतपूर्व है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू की सरकार ने इजराइल की खुद का बचाव करने की क्षमता को पूरी तरह से नुकसान पहुंचाया है। लैपिड की टिप्पणी ईरान के इजराइल पर 300 से अधिक मिसाइलें और ड्रोन लांच करने के दो दिन बाद आई है।

यायर ने लिखा, नेतन्याहू सरकार में कब्जे वाले वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों के खिलाफ जिस तरह की हिंसा हुई, वह उनके नियंत्रण से बाहर थी। 2022 में कई पार्टियों के साथ गठबंधन कर सत्ता में लौटे नेतन्याहू ने बीरी से किर्यत शमोना तक विनाश ही विनाश किया है। देश के लिए जरूरी है कि शीघ्र चुनाव कराए। गाजा सीमा के पास बेरी में किबुत्ज समुदाय पर 7 अक्टूबर को हमास ने हमला कर भारी तबाही मचाई थी। इसके बाद गाजा में युद्ध शुरू हुआ। इजराइल के उत्तरी शहर किर्यत शमोना में लेबनान सीमा से हिज्बुल्ला के लड़ाके लगातार गोलीबारी कर रहे हैं। इसकारण लोग यहां सामान्य जिंदगी नहीं चल पा रही है। इस सभी का यायर ने जिक्र करते हुए नेतन्याहू को घेरा है।

लैपिड ने सीधे तौर पर नेतन्याहू को घेरकर कहा कि वेस्ट बैंक और देश की स्थिति को देखते हुए ये जरूरी है कि ये मौजूदा सरकार को हटाया जाए। उन्होंने कहा कि अगर हम इस सरकार को नहीं हटाते हैं, तब यह हमारे लिए विनाश लाएगी। इसके लिए बहुत जरुरी हैं कि जल्दी से जल्दी देश में चुनाव हों और नेतन्याहू को सत्ता से हटाया जाए। ईरान के हमले के बाद घर में घिरे नेतन्याहू ने युद्ध कैबिनेट की बैठक की है। इसमें ईरानी हमले पर इजराइल की प्रतिक्रिया पर विचार किया गया। इजराइल ने ईरान को जवाब देने का अपने अधिकार सुरक्षित होने की बात कही है। ईरान और लेबवान की ओर से हमलों के साथ-साथ वेस्ट बैंक की स्थिति भी नेतन्याहू सरकार की चिंता बढ़ा रही है।

भारत को यह महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच देना चाहता है इजराइल.....लेकिन अमेरिका ने लगा रखा है अड़ंगा

तेल अवीव (ईएमएस)। ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद इजराइल के जिस रक्षा कवच की चर्चा है, उसका नाम एरो मिसाइल डिफेंस सिस्टम है। यह इजराइली मिसाइल डिफेंस सिस्टम अंतरिक्ष में भी ईरानी मिसाइलों के खिलाफ घातक साबित हुआ। एरो ने ईरान की कई बैलिस्टिक मिसाइलों को हवा में ही तबाह कर अपनी ताकत का लोहा मनवाया है। इजराइल का एरो 3 मिसाइल डिफेंस सिस्टम लंबी दूरी तक मार करने वाली दुश्मन की मिसाइलों को अंतरिक्ष में रहने के दौरान ही मार गिराने के लिए बनाया गया है। एरो डिफेंस सिस्टम को साल 2017 में सक्रिय किया गया था और इस सिस्टम ने पिछले साल नवंबर में भी हूती विद्रोहियों की एक मिसाइल को मार गिराया था। एरो सिस्टम का जन्म इराक के 42 स्कड मिसाइल दागने के बाद हुआ था। इस एयर डिफेंस सिस्टम को इजराइल अपने खास दोस्त भारत को देना चाहता है लेकिन अमेरिका ने अड़ंगा डाल रखा है।

साल 1991 की बात है,जब इराक ने इजराइल की राजधानी तेल अवीव और हाइफा शहर पर 42 स्कड मिसाइलों से हमला किया था। इस भीषण हमले के बाद इजराइल ने एरो सिस्टम पर काम करना शुरू किया। इजराइल ने साल 2000 में एरो 2 सिस्टम को सक्रिय कर दिया था। इस सिस्टम का उद्देश्य इराक की स्कड और ईरान शहाब मिसाइलों को अंतरिक्ष में ही मार गिराना था। यह सिस्टम दुश्मन की किसी मिसाइल को इजराइली हवाई क्षेत्र से 200 किमी की दूरी पर नष्ट कर देता है। हालांकि यह काफी महंगा हैं, इसमें इंटरसेप्टर मिसाइल दागने पर 3 मिलियन डॉलर का खर्च आता है।

साल 2017 में एरो 3 को सक्रिय करने के बाद इजराइल के हाथ अब हाइपरसोनिक क्षमता आ गई है। यह बहुत बड़े इलाके की सुरक्षा करने में सक्षम है। इससे यह किसी बड़े शहर या इलाके को आसानी से सुरक्षा मुहैया कराता है। यह परमाणु बम लेकर आ रही मिसाइल को भी अंतरिक्ष में मार गिराने में सक्षम है। इजरायल एयरोस्पेस इंडस्ट्री कंपनी ने अमेरिका की मिसाइल डिफेंस एजेंसी के साथ मिलकर इस एरो सिस्टम को बनाया है।

इस कारण इजराइल दोस्त भारत को यह एयर डिफेंस सिस्टम बेचना चाहता है, लेकिन अमेरिका ने इसमें अड़ंगा लगा रखा है। आर्म्स कंट्रोल एसोशिएशन की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका यह फैसला नहीं कर पा रहा है कि वह इजराइल की मांग पर क्या जवाब दे। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने अभी तक इजराइल से एरो के लिए नहीं कहा है, लेकिन नई दिल्ली एंटी मिसाइल क्षमता को बढ़ाना चाहता है। भारत ने रूस से एस 400 खरीदा है और अमेरिका से भी कई एयर डिफेंस सिस्टम को लेकर बात की है। भारत को पाकिस्तान और चीन दोनों की ही मिसाइलों से बड़ा खतरा है।

लेकिन अमेरिकी विदेश मंत्रालय की वजह से मामला फंसा हुआ है। इसके पीछे बड़ी वजह मिसाइल तक नीक कंट्रोल रिजीम (एमटीसीआर) संधि है। यह संधि 500 किलो के वारहेड से लैस 300 किमी से ज्यादा की दूरी तक मार करने वाली मिसाइल को देने से रोकती है। एरो सिस्टम में यह क्षमता है।

१९९६ के बाद कांग्रेस को नहीं नसीब हुई जीत

२६साल से वडोदरा लोकसभा सीट पर फहरा रहा भगवा

वडोदरा, १६ अप्रैल ।

२०१४ लोकसभा चुनावों में गुजरात का वडोदरा लोकसभा सीट खूब चर्चा में रहा था । तब पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ रहे नरेंद्र मोदी ने बनारस के साथ यहां से चुनाव लड़ा था और जीत दर्ज की थी । एकबार फिर वडोदरा यहां के बीजेपी उम्मीदवार के टिकट वापसी को लेकर चर्चा में है । गुजरात का वडोदरा (बड़ौदा) पहले कांग्रेस पार्टी का किला था बाद में यह बीजेपी का गढ़ बन गया है । बीजेपी १९९८ से लगातार यहां जीत दर्ज कर रही है । भारतीय जनता पार्टी पिछले सात बार से लगातार जीत दर्ज कर रही है । २०१९ में यहां रंजनबेन भट्ट ने जीत दर्ज की है ये उनकी लगातार दूसरी जीत है । २०१९ में रंजनबेन भट्ट ने कांग्रेस के प्रशांत चंद्रभाई पटेल को हराया था ।

रंजनबेन भट्ट ने यहां एकतरफा जीत दर्ज की थी उन्हें यहां ७२ ।३% वोट मिले थे जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी प्रशांत चंद्रभाई पटेल को २४ ।१% वोट ही मिले । यहां तीसरे स्थान पर रहे बहुजन समाज पार्टी के उम्मीदवार को एक प्रतिशत वोट भी नहीं मिला

२०१९ में बीजेपी के रंजनबेन भट्ट ने प्रशांत चंद्रभाई पटेल को ५,८९,१७७ वोटों से हराया था । बीजेपी के रंजनबेन भट्ट को जहां ८८३,७१९ वोट मिले वहीं कांग्रेस के चंद्रभाई पटेल को २९४,५४२,तीसरे स्थान पर रहे बीएसपी के रोहित मधुसूदन मोहनभाई को ७,४५८ वोट मिले । चौथे स्थान पर रहे निर्दलीय सिंधी महेबुबखान युसूफखान को ४,४५७ वोट जबकि पांचवे स्थान पर युवा जन जागृति पार्टी गोहिल रिंकू को ३,८११ वोट ही मिले । इससे पहले २०१४ में हुए उपचुनाव में बीजेपी के रंजनबेन धनंजय भट्ट ने नरेन्द्र अम्बालाल रावत को ३,२९,५०७ वोटों से हराया था ।

२०१४ में वडोदरा से नरेंद्र मोदी ने जीत दर्ज की थी । नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस के मधुसूदन मिस्त्री को ५,७०,१२८ वोटों से हराया था । २०१४ में आम आदमी पार्टी के सुनील दिगंबर कुलकर्णी तीसरे स्थान पर रहे थे उन्हें तब महज १०,१०१ वोट ही मिले थे । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बडोदरा के साथ बनारस से भी चुनाव लड़ा और वहां से भी जीत दर्ज की थी । बाद में नरेंद्र मोदी ने वडोदरा लोकसभा सीट से इस्तीफा दे दिया तब यहां हुए उपचुनाव में रंजनबेन भट्ट ने जीत दर्ज की थी ।

वडोदरा में १९५२ में हुए पहले चुनाव में निर्दलीय इंदुभाई अमीन ने जीत दर्ज की थी । इसके बाद १९५७ और १९६२ में हुए चुनाव में कांग्रेस पार्टी के फतेहसिंहराव गायकवाड़ ने जीत दर्ज किया था । १९६७ में निर्दलीय पाशाभाई पटेल ने जीत दर्ज की थी । इसके बाद १९७१ और १९७७ में फतेहसिंहराव गायकवाड़ ने कांग्रेस की टिकट पर लगातार दो बार जीत दर्ज की, १९८० और १९८४ में कांग्रेस की टिकट पर रणजीतसिंह गायकवाड लोकसभा पहुंचे । १९८९ में जनता दल के प्रकाश ब्रह्मभट्ट ने जीत दर्ज की । इसके बाद १९९१ में बीजेपी की टिकट पर दीपिका चिखलिया सांसद बनीं । दीपिका चिखालिया धार्मिक महाकाव्य, रामायण में मां सीता की भूमिका निभाने के लिए प्रसिद्ध हुई है ।१९९६ में सत्यजीतसिंह गायकवाड़ कांग्रेस पार्टी से संसद पहुंचे इसके बाद १९९८, १९९९ और २००४ में जयाबेन ठक्कर ने जीत दर्ज की ।२००९ में बालकृष्ण शुक्ला, २०१४ में नरेंद्र मोदी ने यहां जीत दर्ज की ।

२०११ की जनगणना के अनुसार वडोदरा जिले की जनसंख्या लगभग ४१ ।५ लाख है । यहां ७८ ।९२ फीसदी जनसंख्या साक्षर है जिसमें पुरूषों की साक्षरता दर ८५ ।३९ फीसदी है जबकि महिला साक्षरता दर ७२।०३ फीसदी है ।वडोदरा लोक सभा क्षेत्र में सात विधानसभा- सयाजीगंज, वाघोडिया, रावपुरा, मांजलपुर, सावली, अकोटा और वडोदरा शहर शामिल है ।वडोदरा में कुल १७,९४,८९६ मतदाता हैं । इसमें पुरुष मतदाता की संख्या ८,७२,१७० जबकि महिला मतदाता की संख्या ९,२२,५९३ है । यहां थर्ड जेंडर निर्वाचक १३३ हैं । २०१९ में यहां कुल मतदान प्रतिशत ६८ ।१०% था ।

बीजेपी ने यहां तीसरी बार रंजनबेन भट्ट को चुनाव लड़ने का मौका मिला तो यहां विवाद शुरु हो गया बीजेपी की कद्दावर नेता और शहर की पूर्व मेयर ज्योतिबेन पंड्या ने खुली बगावत कर दी । इसके बाद बीजेपी ने पंड्या को सस्पेंड कर दिया है।इधर रंजनबेन भट्ट ने निजी कारणों का हवाला देकर चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया ।वडोदरा गुजरात का तीसरा सबसे ज्यादा आबादी वाला शहर है । वडोदरा को बड़ौदा भी कहते हैं । यहां का लक्ष्मी विलास महल काफी प्रसिद्ध है

विरोध के बीच पुरुषोत्तम रूपाला ने दाखिल किया नामांकन

राजकोट, १६ अप्रैल ।

केंद्रीय मंत्री और गुजरात की राजकोट लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार पुरुषोत्तम रूपाला ने मंगलवार (१६ अप्रैल) को नामांकन दाखिल कर दिया । उन्होंने करीब दो किमी लंबे रोड शो के बाद अपना पर्चा दाखिल किया । रूपाला ने जिला निर्वाचन अधिकारी प्रभव जोशी को अपना नामांकन पत्र सौंपा । इस दौरान गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपानी, बीजेपी के राज्यसभा सदस्य केसरीदेव सिंह झाला और गुजरात सरकार में कैबिनेट मंत्री भानुबेन बाबरिया मौजूद रहे । बता दें कि पुरुषोत्तम रूपाला की टिप्पणी के बाद क्षत्रिय समाज लगातार उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहा है । क्षत्रिय समाज पर उनकी टिप्पणी के बाद से लगातार उनकी उम्मीदवारी को रद्द करने की मांग की जा रही है ।

रिपोर्ट के मुताबिक राजकोट से बीजेपी उम्मीदवार पुरुषोत्तम रूपाला ने अपना पर्चा दाखिल करने के बाद मीडिया से बातचीत में कहा, ' जैसा कि मेरी पार्टी ने निर्णय लिया, मैंने अपना नामांकन दाखिल कर दिया । नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान आज बड़ी संख्या में लोग मुझे आशीर्वाद देने आये । पार्टी के वरिष्ठ नेता, पार्षद और मौजूदा विधायक और सांसद भी मेरे समर्थन में मौजूद रहे । रेस कोर्स मैदान के पास रोड शो के अंत में एक सभा को संबोधित करते हुए, बीजेपी नेता ने क्षत्रिय समुदाय से राष्ट्र के हित में उनका और उनकी पार्टी का समर्थन करने के लिए अपील की ।

राजकोट से बीजेपी उम्मीदवार पुरुषोत्तम रूपाला ने कहा, ' मैं क्षत्रिय समाज से एक अपील करना चाहता हूं । आपका सहयोग भी देश हित में महत्वपूर्ण है । मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप बड़ा दिल दिखाएं और बीजेपी का समर्थन करें । चूंकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि चुनाव के बाद बीजेपी एक बार फिर केंद्र में सरकार बनाएगी, इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले ही काम का खाका तैयार कर लिया है । यह काम उनकी अगली सरकार के पहले १०० दिनों में किया जाएगा ।' बीजेपी नेता पुरुषोत्तम रूपाला ने आगे कहा कि पीएम मोदी सभी सरकारी योजनाओं को १०० प्रतिशत पूरा करने में विश्वास करते हैं । जब प्रधानमंत्री उस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, तो बीजेपी कार्यकर्ताओं को भी अपने संबंधित बूथों पर १०० प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए । उन्होंने कहा, आइए इस बार मोदी को रिकॉर्ड तोड़ सीटें दें ताकि उन्हें भारत को वैश्विक मानचित्र पर स्थापित करने की ताकत मिले । बीजेपी ने इस बार दो बार के सांसद मोहन कुंडरिया को यहां से हटाकर उनकी जगह पुरुषोत्तम रूपाला को मैदान में उतारा है ।

अमित शाह के खिलाफ चुनाव लड़ने से कोई संकोच नहीं : सोनल पटेल

गांधीनगर, १६ अप्रैल ।

गुजरात की गांधीनगर लोकसभा सीट आजकल काफी चर्चाओं में बनी हुई है । दरअसल, यहां से भाजपा की ओर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह चुनावी मैदान में हैं।वहीं,कांग्रेस ने अपनी नेता सोनल पटेलपरदांव लगाया है । अब पटेल ने सत्तारूढ़ पार्टी पर जमकर निशाना साधा उन्होंने साफ कह दिया कि वह भाजपा के वरिष्ठ नेता के खिलाफ आगामी चुनाव लड़ने में बिल्कुल भी हिचक नहीं रही हैं ।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की सचिव और मुंबई एवं पश्चिमी महाराष्ट्र में पार्टी की सह प्रभारी ६२ वर्षीय सोनल पटेल ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लोगों की उम्मीदों को पूरा करने में नाकाम रही है, इसलिए सत्ता विरोधी लहर है । उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी पर अपने निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को धमकाने का भी आरोप लगाया और चुनाव लड़ने में समान अवसर की मांग की ।पटेल ने एक इंटरव्यू में कहा, 'मैंने पार्टी से टिकट नहीं मांगा था क्योंकि मैं महाराष्ट्र में कांग्रेस के मामलों में व्यस्त थी, जहां मैं मुंबई और पश्चिमी महाराष्ट्र की सह-प्रभारी हूं । लेकिन पार्टी ने मुझे गांधीनगर से मैदान में उतारा और मैंने इसे स्वीकार कर लिया ।' उन्होंने कहा, 'हमारे कार्यकर्ताओं को डराया-धमकाया जा रहा है । कोई भी हमें पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक करने के लिए जगह देने को तैयार नहीं है, क्योंकि उन्हें डर है कि चुनाव खत्म होने के बाद उन्हें निशाना बनाया जाएगा । पुलिस पहले के छोटे मोटे मामलों को लेकर हमारे शहर और जिले के नेताओं को थाने में बुला रही है । भाजपा चुनाव लड़ने के लिए प्रशासनिक मशीनरी का इस्तेमाल कर रही है ।' उन्होंने कहा कि यह दिखाता है कि वे डरे हुए हैं और आगे आकर नहीं लड़ना चाहते हैं । पटेल ने आगे कहा, 'भाजपा के स्थानीय नेता जो हथकंडे अपना रहे हैं, उससे अमित शाह अवगत हैं या नहीं, यह मैं नहीं जानती । चुनाव लड़ने के लिए हर किसी को समान अवसर मिलना चाहिए ।'

पटेल ने आगे कहा कि वह गांधीनगर में शाह का मुकाबला करने में हिचक नहीं रही हैं, जहां से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी भी चुनाव लड़ चुके हैं ।

उन्होंने कहा, 'वह (शाह) देश के गृह मंत्री हो सकते हैं, लेकिन हमने उन्हेंउन दिनों से देखा है जब वह भाज पा के आम कार्यकर्ता थे । नारणपुरा (अमित शाह का विधानसभा क्षेत्र जब वह विधायक थे) से वह जमीनी कार्यकर्ता के तौर पर उभरे और आज देश के गृह मंत्री हैं । मेरे पिता नारणपुरा से कांग्रेस निगम पार्षद थे और हमने उन्हें आगे बढ़ते हुए देखा है । मैंने भी उनकी तरह जमीनी स्तर से ऊ पर उठने के लिए काम किया है ।'यह पूछे जाने पर कि वह आगामी चुनाव में शाह से लड़ने में क्यों नहीं हिचकिचा रही हैं, इस पर पटेल ने कहा, 'जब लोग वोट डालेंगे, तो वे यह सोचकर (भाजपा सांसद को) नहीं चुनेंगे कि वह गृह मंत्री हैं या मैं एक साधारण पार्टी कार्यकर्ता हूं । यही कारण है कि मैं शाह के खिलाफ चुनाव लड़ने में जरा भी नहीं हिचकिचा रही हूं ।'

कांग्रेस इससे पहले गांधीनगर सीट से भाजपा के दिग्गजों को टक्कर देने के लिए पूर्व चुनाव आयुक्तटीएन शेषन, अभिनेता राजेश खन्ना जैसे बड़े नेताओं को मैदान में उतार चुकी है।जब पटेल से पूछा गया कि शाह के खिलाफ कांग्रेस ने बाहर से किसी मजबूत उम्मीदवार को क्यों नहीं उतारा, तो उन्होंने कहा, 'मजबूत उम्मीदवारों को बाहर से बुलाने में दो परेशानियों का सामना करना पड़ता है ।

पुरुषोत्तम रूपाला को देश की सभी बेटियों से माफी मांगनी चाहिए : शक्तिसिंह गोहिल

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि देश और संस्कृति की सुरक्षा में सभी जाति के राजा-महाराजाओं का योगदान था किसी भी राजा-महाराजा ने अंग्रेजों को साथ रोटी-बेटी का व्यवहार नहीं किया इसके बावजूद भाजपा उम्मीदवार पुरुषोत्तम रूपाला ने राजघरानों पर अंग्रेजों के साथ रोटी-बेटी का व्यवहार करने का आरोप लगाकर किसी एक जाति की नहीं बल्कि देश की सभी बेटियों का अपमान किया है इस विवादित बयान के लिए पुरुषोत्तम रूपाला को देश की सभी बेटियों से माफी मांगना चाहिए राजकोट लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार पुरुषोत्तम रूपाला के एक विवादित बयान से समूचे क्षत्रिय समाज में जबर्दस्त आक्रोश है क्षत्रिय समाज और रूपाला विवाद में फिलहाल जिसे सबसे अधिक फायदा हो रहा है वह कांग्रेस भाजपा की इस आपदा को कांग्रेस अपने लिए अवसर में बदलने का कोई मौका नहीं छोड़ रही गुजरात कांग्रेस प्रमुख शक्तिसिंह गोहिल ने रूपाला विवाद की आग में घी डालने का प्रयास करते हुए कहा कि अगर कोई अपराध करता है और अहंकार से माफी की नौटंकी करता है तो उस माफ नहीं किया जा सकता पुरुषोत्तम रूपाला ने जिस प्रकार माफी मांगी है, वह उचित नहीं है और उन्हें माफ भी नहीं किया जाना चाहिए उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति अपनी गलती के लिए दिल से माफी मांगता है तो समाज उसे माफ कर सकता है रूपाला ने जिस प्रकार से माफी मांगी है वह मंजूर नहीं की जा सकती रूपाला ने एक तो देश के राजघरानों को लेकर विवादित बयान दिया और बाद में यह कहते हुए माफी मांग ली कि मेरी वजह से पार्टी को नुकसान हो रहा था रूपाला ने कहा था कि मैं जो बोलता हूं उसके लिए कभी माफी नहीं मांगता, लेकिन मेरे कारण पार्टी को नुकसान होता है तो उसके लिए माफी मांगता हूं शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि क्या इसे माफी मांगना कहा जा सकता है उन्होंने कहा कि जिस समाज के कार्यक्रम में गए थे उसे लेकर भी रूपाला ने कह दिया कि उस समाज कार्यक्रम काम का नहीं था और इसे कहकर उन्होंने दलित समाज का भी अपमान किया गोहिल ने कहा कि राजनीतिक दलों की कुछ जिम्मेदारियां होती हैं रूपाला ने देश की मां, बहन और बेटियों का अपमान किया है और इस गंभीर गलती के लिए भाजपा को चाहिए था

उनका टिकट रद्द कर दें लेकिन सत्ता के मद में चूर भाजपा ने समाज को तोड़ने और बंटवारा करने का काम किया जबकि विवादित बयान के लिए रूपाला और भाजपा दोनों को ही माफी मांगनी चाहिए थी जब कोई आंदोलन होता है तो सरकार को समझदारी से काम करना चाहिए उन्होंने कहा कि अगर रूपाला का टिकट रद्द कर दिया होता तो एक राजनीतिक दल के रूप में भाजपा प्रशंसा की पात्र होती, परंतुभाजपा ने यह अवसर गंवा दिया है सांप निकलने के बाद अवलकीर पीटने से कुछ हासिल नहीं होगा

गुजरात की 26 और राजस्थान की 25 सीटों पर जीत की हैट्रिक लगाएगी भाजपा : भजनलाल

बनासकांठा (ईएमएस) राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आज उत्तरी गुजरात के बनासकांठा में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे पास नीति और नेता दोनों हैं यही कारण है कि देश की जनता भाजपा पर भरोसा करती हैं उन्होंने कहा कि गुजरात की सभी 26 और राजस्थान की सभी 25 सीटों पर भाजपा जीत की हैट्रिक लगाएगी भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के पास कहने के लिए कुछ नहीं हैं कांग्रेस ने हमेशा तुष्टिकरण की राजनीति की हैं एक समय था जब पंचायत से लेकर पार्लामेंट तक कांग्रेस थी लेकिन नीयत ठीक नहीं होने की वजह से कांग्रेस की आज क्या हालत है? यह बताने की जरूरत नहीं हैं जबकि हमारे पास नीति और नेता दोनों हैं, इसीलिए देश की जनता को भाजपा पर पूरा भरोसा हैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जो कहते हैं उसे पूरा करते हैं उन्होंने कहा कि राजस्थान में वर्षों से चली आ रही पानी की समस्या का पीएम मोदी ने डेढ साल में निपटारा कर दिया भजनलाल ने कहा कि गुजरात की हवा देशभर में जानी चाहिए उन्होंने गुजरातियों से कहा कि आप भाग्यशाली हो जो पीएम मोदी के नेतृत्व में गुजरात का विकास हो रहा हैं पीएम मोदी ने कांग्रेस को इतना मजबूर कर दिया कि वह अन्य छोटे-मोटे दलों के साथ गठबंधन करने को तैयार होना पड़ा कांग्रेस के कथनी और करनी में फर्क था कांग्रेस ने केवल किसान और गरीबों को लेकर झूठे वादे किए, लेकिन उसे कभी पूरे नहीं किए आज पीएम मोदी ने देश की सीमाएं सुरक्षित की हैं

ब्राजील के राजदूत श्री केनेथ एच. दा नोब्रेगा ने मुख्यमंत्री से की शिष्टाचार मुलाकात

गांधीनगर 16 अप्रैल: भारत में ब्राजील के राजदूत श्री केनेथ एच. दा नोब्रेगा ने मंगलवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार मुलाकात की।इस शिष्टाचार मुलाकात बैठक के दौरान उन्होंने गुजरात के साथ ऑटो पार्ट्स, एनर्जी और एग्रीकल्चर सेक्टर में सहयोग साधते हुए आगे बढ़ने की तत्परता दिखाई। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने बातचीत के दौरान के कहा कि गुजरात ऑटो हब के रूप में एक ख्याति प्राप्त राज्य है, इस संदर्भ में ब्राजील के उद्योगपति गुजरात में ऑटो पार्ट्स के क्षेत्र में निवेश के लिए आ सकते हैं।

ब्राजील के राजदूत श्री केनेथ एच. दा नोब्रेगा ने बैठक के दौरान चर्चा में कहा कि वे बायो फ्यूल टेक्नोलॉजी और बायोगैस क्षेत्र में ब्राजील की विशेषज्ञता को एक उपयुक्त साझेदार मिलने तथा इन क्षेत्रों में भी सहभागिता से आगे बढ़ने को लेकर काफी उत्सुक हैं।

मुख्यमंत्री के साथ इस शिष्टाचार मुलाकात बैठक के दौरान विचार-विमर्श में यह भी बताया गया कि ब्राजील में फार्मास्युटिकल क्षेत्र के अलावा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और एनर्जी सेक्टर में भी भारत और गुजरात की कई कंपनियां कार्यरत हैं।इस शिष्टाचार मुलाकात बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री के. कैलाशनाथन, उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री एस.जे. हैदर तथा नई दिल्ली में ब्राजीलियाई दूतावास के व्यापार एवं निवेश संवर्धन के प्रधान सचिव श्री वेगनर सिल्वा एंट्यून्स भी मौजूद रहे।

सीएम केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल का भी नाम

गांधीनगर, १६ अप्रैल ।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर देशभर में प्रचार अभियान जोर शोर से जारी है । इस बीच आम आदमी पार्टी ने गुजरात में लोकसभा चुनाव के लिए ४० स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी की है । लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए आम आदमी पार्टी ने जिन नेताओं के नाम जारी किए हैं । उसमें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का नाम भी शामिल है । दिल्ली आबकारी नीति मामले में जेल में बंद सीएम अरविंद केजरीवाल का नाम लिस्ट में सबसे पहले नंबर पर है ।

इसके अलावा सीएम अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल भी स्टार प्रचारकों में शामिल हैं । इसके अलावा पंजाब के सीएम भगवंत मान, आप नेता मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन का नाम भी लिस्ट में शामिल है । सिसोदिया और जैन भी जेल में हैं ।

गुजरात में लोकसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने ४० स्टार प्रचारकों की लिस्ट में दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज का भी नाम शामिल है । इसके अलावा इस लिस्ट में राघव चड्डा, कैलाश गहलोत, इमरान हुसैन, अमन अरोड़ा का भी नाम है । इसके साथ ही गुजरात चुनाव के लिए स्टार प्रचारकों में इसुदान गढ़वी, हेमंत खावा, सुधीर वाघानी, अल्पेश कथीरिया, राजूभाई सोलंकी, जगमालभाई वाला, कैलाश गढ़वी, डॉ । रमेश पटेल, प्रवीण राम, पंकज पटेल का नाम शामिल है ।

बता दें कि गुजरात में इंडिया गठबंधन के तहत आम आदमी पार्टी और कांग्रेस साथ मिलकर चुनाव लड़ रही हैं । सीट शेयरिंग फॉर्मूले के तहत आम आदमी पार्टी गुजरात की भरूच और भावनगर सीट पर चुनाव लड़ रही है । भरूच सीट से चैतर वसावा और भावनगर लोकसभा सीट पर उमेश भाई मकवाना को मैदान में उतारा गया है ।

अहम बात ये है कि स्टार प्रचारकों की लिस्ट में सुनीता केजरीवाल का नाम दूसरे नंबर पर है, लेकिन इस वक्त वो आम आदमी पार्टी में किसी भी पद पर नहीं हैं । पार्टी से बाहर उनकी पहचान सीएम केजरीवाल की पत्नी के तौर पर ही रही है और वो केजरीवाल के जेल जाने से पहले तक राजनीतिक में सक्रिय नहीं रही हैं ।

सुनीता केजरीवाल को लेकर ये सवाल अक्सर पूछा जाता है कि पार्टी में उनकी अगली भूमिका क्या होगी । सीएम केजरीवाल के जेल जाने के बाद सुनीता केजरीवाल पार्टी को एकजुट रखने में अहम भूमिका निभा रही हैं । वो जेल से सीएम केजरीवाल का संदेश पार्टी के नेताओं तक पहुंचाती रही हैं । क्या आने वाले समय में सुनीता केजरीवाल चुनावी राजनीति में कदम रखेंगे इस पर सबकी नजरें टिकी हैं ।

18 अप्रैल वर्ल्ड हेरिटेज़ डे पर प्रताप नगर स्थित हेरिटेज रेल म्यूजियम आम जनता के लिए निशुल्क खुला रहेगा

वडोदरा,१६ अप्रैल ।

पश्चिम रेलवे के गौरवशाली अतीत के धरोहर को संजोए वडोदरा शहर के प्रतापनगर रेलवे कॉलोनी स्थित हेरिटेज रेल म्यूजियम दिनांक 18 अप्रैल 2024 को विश्व विरासत दिवस के अवसर पर प्रात 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक आम जनता के लिए निशुल्क खुला रहेगा।

वडोदरा मंडल के डीआरएम श्री जीतेंद्र सिंह ने बताया कि प्रताप नगर स्थित हेरिटेज म्यूजियम में अतीत की पुरानी व हेरिटेज महत्व की कई धरोहरों को सहेज कर रखा गया है। इनमें राजशाही काल के नैरो गेज ट्रेन का इतिहास हैंड, जनरेटर, स्टीम वाटर पंप, ब्रिटिश समय के पियानो, गिटार वह फिल्म प्रोजेक्टर, वुडन वॉल क्लॉक, पुराने घंटे, अप डाउन लाइन ब्लॉक सिस्टम, टेलीग्राफ मशीन, लैंप, गायकवाड वड़ोदरा स्टेट रेलवे के प्रतीक चिन्ह व लोगो, स्टैंप, कुली बिल्ला, आर्म बैंड व पुराना कैमरा , किताबे, रॉयल सलून कटलरी, पुराने टिकट व टिकट विंडो तथा और भी कई हेरिटेज सामग्री अवलोकनार्थ उपलब्ध है।

इसके अतिरिक्त प्रतापनगर रेलवे स्टेशन के प्रवेश द्वार के सामने स्थित हेरिटेज पार्क एवं रेलवे कॉलोनी में स्थित रोलिंग स्टॉक पार्क में देखने योग्य है जहां पुराने छुक छुक ट्रेन के डिब्बे, इंजिन घुमाने वाली टर्न टेबल, रेल इंजिन इत्यादि पुरानी हेरिटेज महत्त्व की धरोहरों को सहेज कर रखा गया है। पश्चिम रेल प्रशासन आमजन से अपील करता है कि भारतीय रेल की गौरवशाली संस्कृति विरासत के अवलोकन का लाभ उठाएं।

गुजरात की 26 सीटों पर कैंडिडेट तय, राजकोट में परशोत्तम रूपाला-परेश धानानी के बीच होगा मुकाबला, देखें पूरी लिस्ट

लोकसभा चुनाव 2024: गुजरात की 26 सीटों के लिए घोषित हुए उम्मीदवारों के नाम

क्रम	लोकसभा सीट	बीजेपी के प्रत्याशी	कांग्रेस के प्रत्याशी	आप के प्रत्याशी
1	कच्छ (अजा)	विनोद चावड़ा	नितिशभाई लालन	
2	बनासकांठा	डॉ. रेखाबेन चौधरी	गेनीबेन ठाकोर	
3	पाटण	भरत सिंह डाभी	चंदनजी ठाकोर	
4	महेसाणा	हरिभाई पटेल	रामजी ठाकोर	
5	साबरकांठा	शोभनाबेन बरैया	डॉ. तुषार चौधरी	
6	गांधीनगर	अमित शाह	सोनल पटेल	
7	अहमदाबाद पूर्व	हसमुख भाई पटेल	हिम्मत सिंह पटेल	
8	अहमदाबाद पश्चिम (अजा)		दिनेश मकवाणा	भरत मकवाना
9	सुरेंद्र नगर	चंदूभाई शिहोरा	ऋत्विक भाई मकवाना	
10	राजकोट	परषोत्तम रुपाला	परेश धानानी	
11	पोरबंदर	मनसुख मंडाविया	ललित वसोया	
12	जामनगर	पूनम माडम	जेपी मार्विया	
13	जूनागढ़	राजेश चुडासमा	हीराभाई जोतवा	
14	अमरेली	भरत भाई सुतारिया	जेनीबन ठुम्मर	
15	भावनगर	निमुबेन बम्भानिया		उमेश मकवाणा
16	आणंद	मितेश पटेल	अमित चावड़ा	
17	खेडा	देवु सिंह चौहान	कालु सिंह डाभी	
18	पंचमहाल	राजपाल सिंह जाधव	गुलाब सिंह चौहाण	
19	दाहोद (अजजा)	जसवन्त सिंह भाभोर	प्रभाबेन तविआड	
20	वडोदरा	डॉ. हेमांग जोशी	जशपाल सिंह पढियार	
21	छोटा उदेपुर (अजजा)	जशुभाई भीलु भाई राठवा	सुखराम राठावा	
22	भरूच	मनसुख वसावा		चैतर वसावा
23	बारडोली (अजजा)	प्रभुभाई वसावा	सिद्धार्थ चौधरी	
24	सूरत	मुकेश भाई दलाल	नीलेश कुंबानी	
25	नवसारी	सीआर पाटिल	नैषदभाई देसाई	
26	वलसाड (अजजा)	धवल पटेल	अनंतभाई पटेल	

जिस मंच से बोल रहे थे मांडविया वहीं जाकर दिया इस्तीफा, लगे जय राजपूताना के नारे

भावनगर: गुजरात में बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री परशोत्तम रूपाला के मुद्दे पर घमासान बढ़ता जा रहा है। परशोत्तम रूपाला ने तय कार्यक्रम के अनुसार राजकोट से अपना नामांकन दाखिल किया लेकिन वहीं सौराष्ट्र में ही आने वाले भावनगर जिले में बीजेपी का खुला विरोध सामने आया। क्षत्रिय समाज के युवकों ने बीजेपी प्रत्याशी की नामांकन सभा में न सिर्फ हंगामा बल्कि मनसुख मांडविया और दूसरे नेताओं को विरोध के तौर पर काले झंडे दिखाए। जब केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया बोल रहे थे। तभी एक युवक ने मंच पर चढ़कर अपना इस्तीफा देते हुए बीजेपी छोड़ने का ऐलान किया। युवक ने पहले अपना इस्तीफा दिया और फिर केसरिया पटके को चूम कर वापस कर दिया और मंच से ही राजपूताना की जय के नारे लगाए।

गुजरात में केंद्रीय मंत्री परशोत्तम रूपाला की टिकट के मुद्दे पर घमासान बढ़ता जा रहा है। क्षत्रिय समाज के युवकों ने भावनगर में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया के समाने नारेबाजी और एक युवक ने मंच पर जाकर इस्तीफा भी दिया। तब मांडविया नामांकन सभा को संबोधित कर रहे थे।

मनसुख मांडविया भावनगर से बीजेपी की कैंडिडेट निमुबेन बाम्भाणिया के नामांकन में पहुंचे थे। वह नामांकन सभा को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान क्षत्रिय समाज के आक्रोशित युवकों को समूह वहां पहुंचा और उन्होंने नारेबाजी शुरू कर दी। क्षत्रिय युवकों के हंगामे और नारेबाजी के दौरान अजीबोगरीब स्थिति खड़ी हो गई। बाद में मौके पर मौजूद पुलिस ने युवकों को हिरासत में लिया। भावनगर मांडविया का गृह जनपद है। मनसुख मांडविया राजकोट से लगी हुई पोरबंदर सीट से बीजेपी के प्रत्याशी हैं। पहले खुद मांडविया भावनगर से लड़ना चाहते थे, लेकिन आप की तरफ से कोली उम्मीदवार खड़ा करने के चलते मांडविया को पोरबंदर से टिकट मिला।

रियलमी ने 15,999 रुपये के शुरुआती मूल्य में सेगमेंट में सबसे अच्छी परफ़ॉर्मेंस और डिस्प्ले के साथ रियलमी पी सीरीज़

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 2024 - भारत के सबसे विश्वसनीय स्मार्टफोन सेवा प्रदाता, रियलमी ने अपनी लेटेस्ट रियलमी पी सीरीज़ में 5जी स्मार्टफोन - रियलमी पी1 प्रो 5जी और रियलमी पी1 5जी लॉन्च किए हैं। ये दोनों अत्याधुनिक डिवाइस अपनी शानदार परफ़ॉर्मेंस और असाधारण यूज़र अनुभव के साथ मिड-रेंज स्मार्टफोन सेगमेंट में हलचल मचा देंगी। ये भारतीय ग्राहकों को फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध होंगी। नई पी सीरीज़ के साथ रियलमी अपना रियलमी पैड 2, वाई-फाई वैरिएंट और रियलमी टी110 बड्स भी लॉन्च करेगा।

नई रियलमी पी सीरीज 5जी ''परफ़ॉर्मेंस और डिस्प्ले के मामले में सर्वश्रेष्ठ'' होने के साथ स्मार्टफ़ोन का प्रतिनिधित्व करती है। इन स्मार्टफोन्स का डिज़ाइन रियलमी के डीएनए के अनुरूप बोल्ड और बाजार में

नया है, जो यूज़र्स को मोहित कर देगा। रियलमी पी1 5जी में शक्तिशाली मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7050 5जी चिपसेट, 120हर्ट्ज़ एमोलेड डिस्प्ले, 45वॉट सुपरवूक चार्जिंग और 5000एमएएच की शक्तिशाली बैटरी दी गई है। जबकि रियलमी पी1 प्रो 5जी में ओआईएस के साथ 50 मेगापिक्सल का सोनी लाइट-600 कैमरा, 120हर्ट्ज़ कर्व्ड विज़न डिस्प्ले, 45वॉट सुपरवूक चार्ज के साथ 5000एमएएच की शक्तिशाली बैटरी और क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 6 जेन 1 5जी चिपसेट है।

इस लॉन्च के बारे में रियलमी के प्रवक्ता ने कहा, ''हमें रियलमी पी सीरीज़ 5जी पेश करने की खुशी है। यह स्मार्टफोन उद्योग में परफ़ॉर्मेंस के नए मानक स्थापित कर देगा। रियलमी पी सीरीज़ 5जी के साथ हमने अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और आधुनिक फीचर्स पेश किए हैं, जो मिड-रेंज सेगमेंट की परिभाषा बदल देंगे। साथ ही हमने नई पी सीरीज़ के साथ रियलमी पैड 2, वाई-फाई वैरिएंट और रियलमी टी110 बड्स भी लॉन्च किए हैं। हमारा मानना है कि ये स्मार्टफोन और एआईओटी उत्पाद इनोवेटिव और ट्रेंडसेटिंग स्मार्टफोन पेश करने वाले ब्रांड के रूप में हमारी प्रतिष्ठा को बढ़ाएंगे। हम इस साल नई पी सीरीज़ के लॉन्च के साथ फ्लिपकार्ट पर 50 मिलियन बिक्री का आंकड़ा छूना चाहते हैं।''

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजराश ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वडोदरा से प्रकाशित किया। प्रात:कालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96